

11 जनवरी 2023, पेज 8

न्य दस्योद विशेष

NEWS सबसे तेज, सबसे पहले आपको पहुंचाये

परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां 09212122095 09811732095

🔢 डीटीसी और कलस्टर बस की चपेट में आकर नाबालिग समेत दो की मौत

ऑटो एक्सपो 2023 में होगी ये एमपीवी पेश

\prod🎧 डीटीसी बस का अचानक हुआ ब्रेक फेल

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

इनसाइड

वसूल रहे टोल सड़क पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं

जौनपुर।वाराणसी-सुल्तानपुर मार्ग पर कई ब्लैक स्पाट और कट हैं। सड़क का काम पूरा नहीं होने के कारण इन पर हादसों का डर है। सड़क पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने के बाद भी टोल टैक्स की वसूली की जा रही है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कार्यदायी संस्था पर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि वे अधूरे काम को परा करें। तीन दिन बाद सत्यापन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्घटना क्षेत्रों में सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं। परिवहन और लोक निर्माण विभाग को पुराने ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने और नए ब्लैक स्पॉट चिहिनत करने को कहा। लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की बैठक में सडक सुरक्षा के लिए किए गए काम की समीक्षा की गई। पता चला कि वाराणसी-सुल्तानपुर मार्ग पर ब्लैक स्पॉट को ठीक ही नहीं कराया गया है और तमाम काम अध्रे हैं।जिलाधिकारी ने तीन दिन में सारी गड़बड़ियों को दुरुस्त करने को कहा। उन्होंने कार्यदायी संस्था के एमडी से कहा कि मड़ियाहूं जाने वाली सड़क पर जहां से चढ़ते हैं, वहां काम अधुरा है।

दिल्ली में बीएस3 पेट्रोल, बीएस4 डीजल कारों पर फिर लगा प्रतिबंध, उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

📭 प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए फैसला, परिवहन विभाग ने 3 दिनों के लिए लगाई रोक, नियम तोडने पर 20 हजार का चालान कटेगा.

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली ने मंगलवार से एक बार फिर BS3 Petrol (बीएस3 पेट्रोल) और BS4 Diesel (बीएस4 डीजल) कारों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध अस्थायी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर में बढोतरी के बाद जरूरी हो गया था। यह प्रतिबंध कम से कम गुरुवार, 12 जनवरी तक प्रभावी रहेगा। अगर अगले तीन दिनों में प्रदूषण का स्तर नीचे नहीं जाता है तो प्रतिबंध को बढाया जा सकता है। इसी तरह का प्रतिबंध पिछले महीने लागू किया गया था जब दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के आसपास प्रदषण का स्तर बढ गया था।

दिल्ली सरकार ने संशोधित GRAP के स्टेज-III और मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 115 के तहत दिए गए निर्देशों के आधार पर सोमवार को इन कारों को बैन



करने का फैसला लिया। दिल्ली के परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया, ₹दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में

एलएमवी (4 व्हीलर) को तत्काल प्रभाव से दिनांक 12 जनवरी, 2023 तक, या GRAP चरण में नीचे की ओर संशोधन

रहेगा (आपातकालीन सेवाओं, पुलिस वाहनों और प्रवर्तन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सरकारी वाहनों में तैनात वाहनों केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर सोमवार को प्रदूषण का स्तर बढ़कर 434 हो गया, जो रविवार को 60 अंक से ज्यादा दर्ज किया गया था। दिल्ली के परिवहन विभाग के आदेश में आगे कहा गया है कि उप-समिति ने GRAP - 'गंभीर' वायु गुणवत्ता (401-450 के बीच दिल्ली AQI) के चरण- III के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को, सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से, सही तरीके से लागू किया है।

जो कोई भी लागु प्रतिबंध का उल्लंघन करता है, उस पर मोटर वाहन अधिनियम की कुछ धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और उसे बहुत भारी जुर्माना देना होगा। दिल्ली सरकार के आदेश में कहा गया है कि गुरुवार तक चलने वाली बीएस3 पेट्रोल और बीएस4 डीजल कारों पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194 (1) के तहत मुकदमा चलाया जाएगा, जिसमें 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया

BS-3 और **BS**-4 मानदंड क्या होते हैं?

भारत सरकार की ओर से तय किए जाने वाला उत्सर्जन मानक भारत स्टेज एमिशन स्टेंडर्ड (BSES) वाहनों से होने वाले प्रदूषण के उत्पादन को रेगुलेट करने के लिए बनाए गए हैं. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत आने वाला केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समय-समय पर वाहनों के लिए यह मानक निर्धारित करता है. इन मानदंडों के तहत वाहनों के इंजन में प्रदूषण कम करने के लिए तकनीकी बदलाव किए जाते हैं.

कम होने से 70 से अधिक विमानों की उड़ान-लैंडिंग में बेरी, लेट चल रहीं 36 ट्रेन

नर्डदिल्ली।देश के उत्तरी क्षेत्र में भीषण सर्दी और घने कोहरे की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ के ज्यादातर क्षेत्रों में सुबह कहीं घना तो कहीं बहुत ज्यादा घना कोहरा छाया रहा। इस वजह से रेल संचालन प्रभावित हो गया है। फ्लाइट भी देरी से उड़ रही हैं।

इन जगहों पर दृश्यता 100 मीटर से कम आईएमडी के अनुसार, जम्मू संभाग के जम्मू, उत्तराखंड के पंतनगर, पंजाब के पटियाला, अमृतसर और लुधियाना, हरियाणा के

भिवानी और करनाल, दिल्ली के पालम, राज के गंगानगर, यूपी के बरेली, बहराइच, लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज और बिहार के गया, भागलपुर और पूर्णिया में सुबह 8.30 बजे दृश्यता 100 मीटर से कम रही ।

बहुत घने कोहरे की चादर पंजाब से बिहार और हरियाणा तक फैली

बहुत घने कोहरे की चादर पंजाब से बिहार और हरियाणा तक फैली है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाया है। बठिंडा और आगरा में दृश्यता शून्य दर्ज की गई है । जम्मू संभाग, गंगानगर, चंडीगढ़, अंबाला,

पटियाला, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, गोरखपुर और भागलपुर में 25 दर्ज की गई। हिसार, दिल्ली-पालम, बहराइच, गया, पूर्णिया और कैलाशहर में 50 मीटर दृश्यता

दिल्ली में सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री

आईएमडी के मुताबिक, उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में चल रही शीतलहर के बीच दिल्ली में सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस और पालम में सुबह 8.30 बजे तक न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस

दर्ज किया गया। पालम क्षेत्र में दृश्यता 50 मीटर और सफदरजंग 200 मीटर दर्ज की

नोएडा में शीतलहर का प्रकोप नोएडा में शीतलहर का प्रकोप जारी है।शहर में कोहरा छाया दिखा। ठंड से बचने के लिए

लोगों ने अलाव का सहारा लिया। दिल्ली हवाईअड्डे पर करीब 50 उड़ानें

दिल्ली हवाईअड्डे पर खराब मौसम के कारण करीब 50 डोमेस्टिक फ्लाइट देरी से रवाना हो रही है और 18 डोमेस्टिक फ्लाइट देरी से

आ रही है। सूत्रों के अनुसार, सुबह 7 बजे तक किसी फ्लाइट के डायवर्जन की सूचना नहीं

दिल्ली में बीएस 3 पेट्रोल-बीएस 4 डीजलवाहनों पर 12 जनवरी तकरोक दिल्ली लगातार बिगड़ते वायु प्रदूषण की चपेट में है, AQI 418 के समग्र AQI के साथ 'गंभीर' श्रेणी में आ गया है। दिल्ली सरकार ने 12 जनवरी तक राष्ट्रीय राजधानी में BS-III पेट्रोल और BS-IV डीजल

चारपहिया वाहनों के चलने पर अस्थायी

प्रतिबंध लगा दिया।

अक्षरधाम इलाके में घना कोहरा छाया राष्ट्रीय राजधानी में आज सुबह घना कोहरा छाए रहने की वजह से विजिबिलिटी कम हुई। अक्षरधाम इलाके में घना कोहरा छाया रहा देरी से चल रहीं 36 ट्रेनें

कोहरे के कारण उत्तर रेलवे क्षेत्र में 36 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि हमारी ट्रेन का असल समय 5:50 था लेकिन अब 7:20 दिखा रहा है। एक अन्य यात्री ने बताया, हम गोरखपुर जा रहे हैं। हमारी ट्रेन कोहरे की वजह से 9 घंटा देर से चल रही है।

जुगाड़ गाड़ियों पर परिवहन विभाग की चुप्पी पड़ सकती है भारी

जौनपर।जिला मख्यालय से करीब 35 से चलाई जा रही हैं। ठेले में बाइक का इंजन लगाकर उन्हें दौड़ाया जा रहा है। जौनपुर शहर में तो ठेले में पंपिंग सेट लगाकर मोटर गाड़ी बना दी गई है। परिवहन विभाग को ऐसे असरक्षित वाहनों की कोई परवाह नहीं है। दो पहिया चालक का हेलमेट न लगाने और चार पहिया का सीट बेल्ट नहीं लगाने पर चालान हो जाता है। पर जुगाड़ वाहन का कोई पुरसाहाल नहीं है जबकि उनमें न इंडिकेटर लगा होता है और न ही रिफ्लेक्टर। रविवार को जिले के अलग-अलग शहरों में वाहन चालकों की लापरवाही और अधिकारियों की चुप्पी देखने को मिली। जुगाड़ ठेलों पर लापरवाही से सरिया लादा

की वजह से कोहरे में हादसे की जौनपुर शहर के रमेश कुमार, विकास, अनिरूद्ध और मुकेश ने कहा कि रिफ्लेक्टर न होने से कई वाहनों की टक्कर हो चुकी है। परिवहन विभाग को चाहिए कि ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करें। इस संबंध में एआरटीओ प्रवर्तन स्मिता वर्मा ने बताया कि ऐसे वाहन फिलहाल तो नहीं दिखे हैं, लेकिन यदि कहीं इस तरह के वाहन चलते पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।रिफ्लेक्टर लगाने के लिए वाहन चालकों को जागरूक भी किया जा रहा है।



प्रयागराज के लिए श्रद्धालु बुक करा सकेंगे विशेष बस



सीतापुर। माघ मेले में प्रयागराज जाने के लिए परिवहन निगम यात्रियों को विशेष सुविधा देगा । ऐसे श्रद्धालुओं के लिए बस रिजर्व की जाएगी, जो उन्हें प्रयागराज ले जाएगी। दर्शन कराने के बाद वह श्रद्धालुओं को लेकर वापस आएगी। माघ माह में प्रयागराज संगम पर होने वाला माघ मेला विश्व प्रसिद्ध माना जाता है। देश के हर कोने से यहां संतों के अलावा श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगता है।जिले से भी कई जत्थे मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न संसाधनों से जाते हैं। इस बार

श्रद्धालुओं के लिए परिवहन विभाग ने विशेष बस का इंतजाम किया है। श्रद्धाल दो दिन पहले बस स्टैंड पर संपर्क कर एक बस बुक करा सकते हैं। वह उन्हें बिना किसी रुकावट के प्रयागराज बस स्टैंड तक लेकर जाएगी। वहां पहुंचने के बाद अगर जत्था आठ घंटे के भीतर वापस आ जाता है तो बस उसे वापस भी लेकर आएगी। अगर श्रद्धालु उस बस से वापस नहीं आना चाहते है तो भी कोई समस्या नहीं है। बुकिंग कराते समय उनको यह बताना पड़ेगा कि वह बस से वापसी नहीं करना चाहते हैं।

"हिंदुओं ने प्रमु श्री राम की जन्मभूमि के लिए बलिदान दिया, इसी की परिणति है कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है"

2024 तक दिल्ली के हर घर में होगा बजरंगी : विश्व हिंदू परिषद

नर्ड दिल्ली। विश्व हिंदु परिषद, दिल्ली प्रांत द्वारा प्रांतीय बैठक का आयोजन दिल्ली के मयूर विहार स्थित उत्तरा गुरुवायुरप्पन मंदिर में ७ व ८ जनवरी 2022 को किया गया। इस बैठक में बड़ी संख्या में दिल्ली विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने शिरकत की और इस बैठक को सफल बनाया। 2024 तक दिल्ली के हर घर में एक बजरंगी हो, यह संकल्प विश्व हिंदू परिषद दिल्ली की इस दो दिवसीय अर्धवार्षिक बैठक में लिया गया।

इस बैठक में विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने खचाखच भरे हॉल में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदुओं ने प्रभू श्री राम की जन्मभूमि के लिए बलिदान दिया, इसी की परिणति है कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है। दिल्ली का कोई भी हिंदू अपने आप को अकेला महसूस ना करें। एक बड़ा तबका हिंदुओं के खिलाफ गलत नैरेटिव बनाने के लिए कार्य करता है। टुकड़े- टुकड़े गैंग के लोग हिंदुओं के खिलाफ कार्य कर रहे हैं। देश के मुसलमान सड़कों व रेल की पटरियों पर बैठकर आज भी नमाज पढ़ रहे हैं। अंग्रेजों ने हिंदुओं पर बहुत अत्याचार किए इसकी एक निशानी सिर्फ पंजाब का जलियांवाला बाग ही नहीं है अपित गोवा में ऐसे कई स्थान हैं। उन्होंने कहा 2024 की जन्माष्टमी में विश्व हिंदु परिषद के षष्टिपूर्ति वर्ष तक हमें दिल्ली में हर घर में पहुंचना



होगा हमारा कार्यकर्ता हर घर में होगा। इसके लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक मंगलवार हर क्षेत्र में एक महा चालीसा करने का आह्वान किया। विश्व हिंदू परिषद दिल्ली के प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल के बाद इतनी बड़ी संख्या में हम पहली बार एकत्रित हुए हैं। एक तरफ हम करोना में सेवा कार्य कर रहें थे तो दूसरी तरफ जिहादी व मिशनरी लोगों का धर्म परिवर्तन करवाने में लगे थे। आज आप सब को इतनी संख्या में देखकर यह विश्वास हो रहा है कि हमने जो लक्ष्य तय किया है वह अगले डेढ़ वर्ष में यानी 2024 की जन्माष्टमी तक हम दिल्ली के हर घर में एक बजरंगी अवश्य बना लेंगे।

आचार्य राम मंगल दास जी ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को गौ सेवा करने की प्रेरणा दी और कहा की गाय माता की सेवा करते करते हम अपनी हिंदु संस्कृति को उच्च शिखर पर ले जाने के लिए कार्य करें तभी भारत विश्व गुरु सकेगा।

इस बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री मुकेश खांडेकर जी ने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह श्री भारत भूषण ने भी संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज अपना अपमान कभी नहीं भूला है। हमारे ऊपर बर्बर अत्याचार किए गए थे। उन्होंने हमारे मंदिरों को तोड़ा व हमारे पुस्तकालयों को जलाया। श्री अरोड़ा ने आगे कहा कि आज हिंदू समाज ने पूरी दुनिया में अपनी ताकत का लोहा मनवा लिया है। जब हम देश के अरबपतियों व बड़े कारोबारियों की बात करते हैं तो उनमें अधिकतर हिंदु समुदाय के नाम आते हैं। आज खतरा देश के वामपंथियों से हैं। यह वामपंथी लोग हमारे लोगों की मानसिकता को दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जातीय भेदभाव को हमें खत्म करना होगा, तभी हिंदू एकता को बल मिलेगा। राम मंदिर का सपना पूरा होने को है, हिंदू समाज अब अपने हकों की लड़ाई लड़ रहा है। सत्संग कीर्तन के

माध्यम से हमें अपने बच्चों को हमारी गौरवशाली विरासत के बारे में बताना होगा। विश्व विश्व हिंद परिषद दिल्ली के प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहाँ स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवा ही भारत का भविष्य है और युवा ही नव भारत का निर्माण करेंगे, इसी संकल्प को विश्व हिंदू परिषद दिल्ली पूरा करेगा उन्होंने कहा षष्टिपूर्ति वर्ष के लिए हम अभी से तैयारी प्रारंभ कर दें। मकर सक्रांति और राम उत्सव के कार्यक्रम इस वर्ष इतने हो कि हिंदू नव वर्ष से पूरी दिल्ली में सब जगह राम जी का नाम हो, पूरी दिल्ली भगवामय बन जाए। हमारी बेटियां प्रशिक्षण प्राप्त करें, उनको आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएं, जगह-जगह बल उपासना केंद्र चलें और दुर्गा वाहिनी प्रत्येक मोहल्ले में आत्मरक्षा के शिविर लगाएं जिससे लव जिहाद और अन्य राक्षसों से हमारे समाज की रक्षा हो सके और हमारी बेटियां को ओर कुदुष्टि डालने की हिम्मत किसी की नहो। उन्होंने कहा अब हिंदुत्व का समय है, प्रभु श्री राम का मंदिर बनने जा रहा है हम सभी को अब हर घर में एक बजरंगी पहुंचे, एक बजरंगी बने इस निमित्त कार्य करना होगा।

इस बैठक में प्रांत सह मंत्री नंदिकशोर शर्मा, अशोक गुप्ता एवं प्रांत कोषाध्यक्ष सुनील सूरी, प्रांत उपाध्यक्ष सेठ रामनिवास सहित प्रांत के सभी और जिलों विभागों के भी सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एड वेलफेयर एलाइड द्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन ६० विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम –डीएल –0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली ११००६३, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

न्यूज द्रांसपोर्ट विशेष



प्रेग् नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है, हम सभी सनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नकसान पहंचाता है, खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मताबिक, येल स्कल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं. वायरलेस डिवाइस कैसे करता है

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्टोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पडता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें. - बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.

-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.

-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता

वर्कप्लेस पर तरक्की के लिए महिलाओं को इन चुनौतियों का करना पड़ता है सामना

वर्कप्लेस पर महिलाओं को अपना करियर ग्राफ बेहतर बनाने के लिए कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है . ये मुश्किलें उनके साथ मानिसक और शारीरिक शोषण के साथ साथ कई अन्य चुनौतिया भी पैदा कर देती हैं.

वीं सदी में महिलाएं हर कार्य महिलाओं को अपने करियर ग्राफ क्षेत्र में अपना लोहा मनवा बेहतर बनाने के लिए किन चुनौतियों से चुकीं हैं. फिर वह फाइनेंस सेक्टर हो, फोर्स हो या कोई अन्य क्षेत्र, पुरुषों के साथ वे कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं और मिशन को परा आ जाती है. करने के लिए सफलता भी हासिल कर रही हैं. लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि हर महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में पूरी तरह से बाधाओं से परे हैं और उनका पुरुषों के समान ही बराबर का अवसर भी हासिल हो रहा है. यहां हम आपको

बताते हैं कि वर्क

प्लेस पर

गुजरना पड़ रहा है जो उनके लिए कई बड़ी मुश्किलें पैदा करती हैं और हालात करियर से हाथ धोने तक की महिलाओं के लिए वर्क प्लेसकी चुनौतियां

> प्रेग्नेंसी वूमन आइकॉन नेटवर्क के मृताबिक, ऑफिस में वैसे तो प्रेग्नेंट महिला के साथ भेदभाव करना कानूनी रूप से अपराध है. इसके अलावा अगर महिला प्रेगनेंसी में

और उसे जबरदस्ती लीव पर जाने के लिए बाध्य किया जा रहा है तो इसे क्या कहा जाए. दरअसल, हर क्षेत्र में को बीच में छोड़कर पेड़ लीव पर नहीं जाना चाहती. दरअसल, ऐसा करने से उनके करियर को नुकसान हो सकता

समान वेतन

औसतन जगहों पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काम अधिक करना पड़ता है लेकिन उनकी सैलरी पुरुषों की तुलना में कम होती है. वैसे तो महिला कर्मचारी कंपनी में पे ऑडिट की मांग कर सकती हैं लेकिन उसे मैनेजमेंट से टक्कर लेना पड़ सकता है जिससे उसकी नौकरी को खतरा हो सकता है. ऐसे में उन कंपनियों को ढंडना चुनौतिपूर्ण है जहां समान वेतन की बात की जाती हो.

महिलाओं को प्रेगनेंसी लीव की जरूरत महसूस नहीं होती और वे अपने करियर

कई ऐसे फर्म हैं जहां लीडरशिप पोजीशन के लिए महिलाओं और पुरुषों में अंतर देखा जाता है. ऐसा अक्सर इसलिए होता है क्योंकि पुरुषों को हाई-प्रोफाइल, मिशन-क्रिटिकल असाइनमेंट के लिए आवंटित किया जाता है जो पेशेवर और मील स्टोन के रूप में काम करते हैं. ये संस्थान के पूर्वाग्रहों का परिणाम हो सकता है. बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए ये हैं 7 ज़रूरी बातें आगे देखें...

लीडरशिप के लिए मौका कम होना

यौन उत्पीडन

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अभी भी एक समस्या है. अगर किसी महिला के साथ कुछ ऐसा होता है तो इसकी जानकारी मैनेजमेंट को देनी चाहिए और मैनेजमेंट को इसकी जांच करनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए. लेकिन कई जगहों पर मैनेजमेंट या बड़े लीडरशिप पोजीशन के लोग इन

बातों को दबा देते हैं और महिला



बिजी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमिकन है. विकंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता

इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स



बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं:

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स



महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.

अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (Delhi-NCR), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में बहुचर्चित 'अपना (apna)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.

इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज (Sheroes)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्रवर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादाः नई रिसर्च

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर) महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है. महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.

प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी लंदनः एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है. महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ जाता है.

इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्योर विद reduced ejection fraction (HFrEF) इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं.

शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख़्ता सबुत अभी नहीं मिल पाए हैं.

शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लंड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं. लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल



के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों

के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता

लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिला को अगर गर्भवती होने के

दौरान दिक्कते आए या मेनोपॉज

ब्रीफ न्यूज

मायापुरी में ASI की मौत का मामला, चाकू से किए गए थे ताबड़तोड़ कई वार; हमले का वीडियो आया सामने

दिल्ली के मायापुरी में एएसआई पर चांकू से किए हमले का वीडियो सामने आया है। हमले में एएसआई शंभू दयाल की मौत हो गई थी। एएसआई शंभु दयाल हमलावर को एक मामले में पकड़कर थाने ले जा रहे थे तभी उस पर हमला हो गया

नई दिल्ली। दिल्ली के मायापुरी में एएसआई शंभुदयाल पर चाकू से हमले का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एएसआई शुभु दयाल के साथ आरोपित साथ चलता हुआ नजर आ रहा है। फिर बीच रास्ते में मौका पर आरोपित ने एएसआई पर चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान उसने एएसआई पर कई बार चाकू से वार किए।

उपचार के दौरान हो गई थी मौत

बता दें कि चाकू से किए गए हमले में घायल एएसआइ शंभु दयाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मूल रूप से राजस्थान के सीकर, तहसील नीम का थाना, गांव गवली बिहारीपुर के रहने वाले शंभ दयाल अपने पीछे पत्नी संजना, दो बेटियां गायत्री व प्रियंका और बेटे दीपक को छोड़ गए हैं। उनकी मौत से दिल्ली पुलिस में शोक है। सुबह उनकी मौत की खबर सुनने के बाद दिल्ली पुलिस के अधिकारी करोलबाग स्थित अस्पताल पहुंचने लगे।

यह है पूरा मामला

चार जनवरी की संध्या चार बजे एक महिला ने थाना पहुंचकर पुलिस को बताया कि उनके पति से बंदमाश ने मोबाइल झपट लिया है। थाने में यह मामला एएसआइ शंभु दयाल को सौंपा गया। वे महिला को साथ लेकर उनके कहे अनुसार दिल्ली-रेवाडी रेलवे लाइन की ओर गए। यहां झुग्गियों में महिला ने आरोपित को पहचान लिया। पलक झपकते ही शंभु ने उसे पकड़ लिया और उसे थाना ले जाने लगे। इससे पहले कि वे थाना पहुंचते, आरोपित अनीस ने अचानक चाकू से उनके पेट, कमर, गर्दन सहित कई जगह वार कर दिया। इसके बावजूद शंभु ने हिम्मत नहीं छोड़ी, वे उसे काबू करने में जुटे रहे। इस बीच उनके साथ मौजूद महिला और उसके पति ने शोर मचा दिया। इसी बीच थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रविकांत भी पुलिसकर्मियों को लेकर मौके पर पहुंचे और अनीस को काबू किया। उधर, पहले पुलिस ने अनीस पर हत्या के प्रयास की धारा में प्राथमिकी की, अब शंभु दयाल की मौत के बाद प्राथमिकी में हत्या की धारा जुट जाएगी।

हादसा या साजिश: बवाना में आग सेंकने के दौरान दंपती झुलसे, मायके वालों ने हत्या की कोशिश का लगाया आरोप

नई दिल्ली। महिला के परिजनों का आरोप है उनकी बेटी को जलाकर मारने की कोशिश की गई। दंपति की शादी पिछले साल हुई थी। बाहरी उत्तरी जिला के बवाना इलाके में एक दंपति आग की चपेट में आने से झुलस गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला सात माह की गर्भवती है। घटना के वक्त महिला अपने पति और एक लड़के साथ अलाव के आगे बैठकर हाथ सेंक रही थी। इस दौरान आग को भड़काने के लिए एक लड़के ने उसमें थिनर डाल दिया। आग भड़कने पेर दोनों इसकी चपेट में आ गए। महिला के परिजनों का आरोप है उनकी बेटी को जलाकर मारने की कोशिश की गई। दंपति की शादी पिछले साल हुई थी। एसडीएम मामले की जांच कर रहे हैं। देर सायं पुलिस ने महिला के पति के खिलाफ हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छह जनवरी की सुबह 10.06 बजे बवाना थाने में आग में एक महिला के झुलसने की जानकारी मिली। संदीप ने बताया कि बवाना सेक्टर दो में रहने वाले ससुराल वालों ने उसकी बहन ख़ुशबू को जला दिया है। सुचना मिलते ही पुलिस अंबेडकर अस्पताल पहुंची। जहां घायल खुशबू भर्ती मिली। खुशबू ने बताया कि ठंड से बचने के लिए वह, अपने पति और एक लड़के के साथ अलाव के आगे बैठे थे।

हादसों में डीटीसी और कलस्टर बस की चपेट में आकर नाबालिंग समेत दो की मौत

बाइक पर मोमोज खाने निकले दो किशोरों को डीटीसी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में रिशु (१७) की मौत हो गई।

एनटीवी संवाददाता

पहला हादसा उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में हुआ, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। दूसरा हादसा पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में हुआ। यहां बाइक पर मोमोज खाने निकले दो किशोरों को डीटीसी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में रिशू (17) की मौत हो गई।

राजधानी में रविवार रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में 17 साल के किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। तिमारपुर इलाके में कलस्टर बस ने बाइक सवार गोपी कुमार (24) को कुचल दिया। उसकी मौके पर मौत हो गई। दूसरा हादसा पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में हुआ। यहां बाइक पर मोमोज खाने निकले दो किशोरों को डीटीसी बस ने टक्कर मार दी। हादसे में रिशु (17) की मौत हो गई जबकि 14 वर्षीय इसका ममेरा भाई बुरी तरह जख्मी हो गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में बस कब्जे में लेकर चालकों को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए हैं।

उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर में हुए हादसे में मृतक गोपी कुमार अपने परिवार के साथ सोनिया विहार,



चौथे पुश्ते पर रहता था। वह पीरागढ़ी इलाके में एक शोरूम में काम करता था। रविवार रात को वह अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इस बीच वह तिमारपुर थाने के पास ट्रक पार्किंग के पास पहुंचा। पीछे से आई कलस्टर बस ने उसको तेज टक्कर मार दी। हादसे में गोपी बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बस कब्जे में लेकर

चालक सोनीपत हरियाणा निवासी मोहित (26) को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा हादसा मधु विहार में हुआ। यहां डीटीसी बस ने बाइक सवार दो नाबालिग भाइयों को टक्कर मार दी। हादसे में रिश्

(17) की मौत हो गई। जबिक वेस्ट विनोद नगर निवासी 14 वर्षीय नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने बताया कि वह रिशु के साथ मोमोज

अंजलि के परिजन थाने के

'एलजी वीके सक्सेना व्यस्त हैं', सीएम केजरीवाल को तत्काल अपॉइंटमेंट देने से किया इनकार

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और आप सरकार के बीच मतभेदों के बीच उपराज्यपाल ने सोमवार को केजरीवाल को शासन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक के लिए आमंत्रित करते हुए पत्र लिखा

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और आप सरकार के बीच सत्ता को लेकर खींचतान के बीच सरकारी सुत्रों ने मंगलवार को दावा किया कि उपराज्यपाल कार्यालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बैठक के लिए समय पर मिलने का वक्त देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि एलजी वीके सक्सेना व्यस्त हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार के सूत्रों द्वारा किए गए दावे पर एलजी कार्यालय से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

दोनों पक्षों के बीच मतभेदों के बीच उपराज्यपाल ने सोमवार को केजरीवाल को शासन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक के लिए आमंत्रित करते हुए पत्र लिखा



केजरीवाल ने सक्सेना को लिखे पत्र में यह कहते हुए निमंत्रण स्वीकार कर लिया था, ₹मैं आपके कार्यालय के साथ एक सुविधाजनक समय तय कर दूंगा।

एलजी ने कल मुख्यमंत्री को शासन की शक्तियों पर मौजूदा संघर्ष पर चर्चा के लिए

आमंत्रित किया था। लेकिन उपराज्यपाल कार्यालय ने यह कहते हुए मख्यमंत्री को समय पर मिलने का समय देने से इनकार कर दिया कि उपराज्यपाल बहुत व्यस्त हैं और शुक्रवार से पहले मुलाकात नहीं कर

AAP विधायक एसके बग्गा पर रिश्वत लेने का आरोप

एसीबी भ्रष्टाचार के मामले में कृष्णा नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक एसके बग्गा पर भ्रष्टाचार का केस चलाने के लिए हाई कोर्ट से अनुमति मांगेगी।विधानसभा अध्यक्ष से अनुमति न मिलने पर एलजी ने भ्रष्टाचार निरोधक शाखा को अदालत जाने की अनुमति दी है। कृष्णा नगर से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक एसके बग्गा पर भ्रष्टाचार का केस चलाने की विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल से अनुमति न मिलने पर दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करेगी। बग्गा पर आप कार्यकर्ता राजू सचदेवा से कई बार अलग-अलग बहाने से रिश्वत लेने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार, बग्गा उनसे कई बार रुपये मांग चुके हैं और उन्होंने उन्हें दिए भी। इसके बाद सात नवंबर, वर्ष 2015 को न्यू गोविंदपरा के गांधी पार्क में दीवाली उत्सव आयोजित करने और उसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुलाने को लेकर बग्गा ने उनसे पांच लाख रुपये मांगे।



नई दिल्ली। कंझावला कांड में जान गंवाने वाली अंजलि के परिजन न्याय के लिए थाने के बाहर बैठ गए हैं। अंजिल के मामा ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

दिल्ली के कंझावला कांड में कार की चपेट में आकर जान गंवाने वाली अंजलि की मौत के मामले में परिजन न्याय की मांग को लेकर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। मृतका के रिश्तेदार और कुछ अन्य लोग न्याय की मांग को लेकर दिल्ली के सुल्तानपुरी थाने के बाहर बैठे हैं। परिजन आरोपियों पर हत्या की धारा लगाने की मांग की है।

मतका के मामा ने कहा कि गण्चओं ने कहा कि वह हमें डीसीपी से बात करवाएंगे और मामले में धारा 302 (हत्या) दर्ज करना उनके हाथ में नहीं बल्कि बड़े अफसरों के हाथ में है। अंजलि के मामा का कहना है कि जांच जारी है। हम ये चाहते हैं कि जब आरोपी ने अपराध कबूल कर लिया है तो पुलिस और क्या देखना चाहती है?। उन्होंने मांग की कि मामले में एफआईआर में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) जोड़ी जाए।

इससे पहले. अदालत ने कंझावला में कार से घसीटने पर स्कूटी सवार एक युवती अंजलि की मौत के मामले में सोमवार को छह आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सान्या दलाल के समक्ष अभियोजन पक्ष ने कहा कि हिरासत में पूछताछ के दौरान पाया गया कि आरोपियों को पता था कि पीड़ित का शव पहियों के नीचे घसीटा जा रहा है। हालांकि अतिरिक्त सरकारी वकील ने उन दोनों आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया, जो पहियों के नीचे क्या है, इसे देखने के लिए कार से उतरे



स्थापित किया जा रहा है और लगभग 20 गवाहों ने अपने बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक नया गवाह जो दर्घटनास्थल से लगभग 100 मीटर की दरी पर था. जांच में शामिल हो गया पुलिस ने इस मामले में शुरुआत में

दीपक खन्ना, अमित खन्ना, कृष्ण, मिथुन और मनोज मित्तल को गिरफ्तार किया था। उनकी तीन दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने पर, अदालत ने गुरुवार को उनकी हिरासत की अवधि चार दिनों के लिए बढ़ा दी थी। पुलिस ने बाद में आशुतोष को पकड़ा जिसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

एक अन्य आरोपी अंकुश खन्ना ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और शनिवार को उसे जमानत मिल गई। 20 साल की अंजलि सिंह की उस समय मौत हो गई जब एक कार ने उसके स्कूटर को टक्कर मार दी थी. जो उसे सल्तानपरी से कंझावला तक 12 किमी तक घसीटती चली गई। पुलिस ने अदालत को बताया कि सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि आरोपी कार से उतरे थे और देखा कि कुछ फंस गया है, लेकिन वे फिर भी वाहन चलाते रहे।

महिला कैब ड्राइवर से लूट के मामले में पुलिस ने लिया संज्ञान, FIR के बाद जांच शुरू राष्ट्रीय राजधानी के उत्तरी जिले में रविवार की देर रात महिला कैब ड्राइवर से लूट मामले में पुलिस ने स्वत संज्ञान लेकर

मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि महिला कैब ड्राइवर से लूट के दौरान बदमाशों ने उसे हमले में घायल कर दिया था। रविवार की देर रात करीब 2 बजे दिल्ली के उत्तरी जिला में एक महिला कैब ड्राइबर से लूट की कोशिश मामले में पुलिस ने स्वतः संज्ञान ले लिया है। कश्मीरी गेट थाने में पुलिस ने महिला कैब ड्राइवर से लूट मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

लुट के दौरान महिला कैब डाइवर घायल

दरअसल में घटना उत्तरी जिला के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र से जुड़ी है। जहां पर उबर की महिला कैब चालक प्रियंका को बदमाश ने लूटपाट के दौरान घायल कर दिया। महिला कैब ड्राइवर के साथ लूट करने की कोशिश की घटना रविवार देर रात ढाई बजे की है।

बदमाशों ने मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की

बदमाशों ने पहले ईंट मारकर कैब का शीशा तोड़ दिया। फिर मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। हालांकि महिला द्वारा विरोध जताने पर बदमाशों ने कांच की टूटी हुई बोतल से उस हमला करके जख्मी कर दिया। जख्मी हालात में महिला कैब ड्राइवर के द्वारा 112 नंबर पर पुलिस को सूचना देने पर बदमाश वहां से भाग खड़ हुए। सूचना मिलने पर पहुंची पीसीआर की टीम ने उसे पास के अस्पताल इलाज उपचार कराकर उसके समयपुर बादली स्थित उसके घर पहुंचा दिया। खास बात है कि उसने न तो थाना में पुलिस को शिकायत की थी और न ही उबर को घटना के बारे में जानकारी दी। अब राजधानी में बढ़ते अपराध को देखते हुए पुलिस एक्शन में आ गई और स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

मनीष सिसोदिया ने DERC के अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर LG को लिखा पत्र, कहा- जल्द साफ हो स्थिति

उपराज्यपाल को लिखे पत्र में सिसोदिया ने कहा कि डीईआरसी के अध्यक्ष का पद मंगलवार को खाली हो गया है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने LG वीके सक्सेना से DERC के अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले सप्ताह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजीव श्रीवास्तव को DERC के अगले अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से बिजली नियामक आयोग (DERC) के अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले सप्ताह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजीव श्रीवास्तव को DERC के अगले अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि फाइल एलजी की मंजूरी के लिए भेजी दी गई है।

DERCकापदहुआखाली

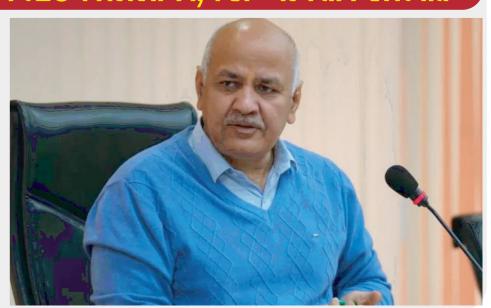
उपराज्यपाल को लिखे पत्र में सिसोदिया ने कहा कि डीईआरसी के अध्यक्ष का पद मंगलवार को खाली हो गया है। इसी के चलते उनसे अनुरोध किया कि वे इस नई नियुक्ति को जल्द से जल्द स्पष्ट करें। उन्होंने LG से DERC अध्यक्ष की तत्काल नियुक्ति को स्पष्ट करने का अनुरोध किया है। यह पद आज यानी मंगलवार से रिक्त हो गया है।

सिसोदिया ने किया ट्वीट

सिसोदिया ने ट्वीट किया, 'मैंने LG से अनुरोध किया है कि वह सीधे अधिकारियों को फाइल न भेजें (जैसा कि उन्होंने पिछले सप्ताह तीन मामलों में किया था) क्योंकि यह संविधान और विभिन्न उच्चतम न्यायालय के फैसलों के खिलाफ है। बता दें कि सिसोदिया के पत्र पर एलजी कार्यालय से तत्काल कोई प्रतिक्रिया

पहले भी कई मुद्दों पर एलजी और केजरीवाल हुए आमने-सामने

दिल्ली सरकार और एलजी वीके सक्सेना पहले भी कई मुद्दों को लेकर विरोध जता चुके है। हाल ही में एमसीडी सदन के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति को लेकर सीएम केजरीवाल ने आलोचना की थी। इसके अलावा एल्डरमैन की नियुक्तियों को लेकर भी आम आदमी पार्टी की ओर से विरोध किया



417 प्रतिबंधित वाहनों के चालान काटे



गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर लगातार तीसरे दिन सोमवार को प्रतिबंधित दोपहिया और तीन पहिया वाहनों के चालान किए गए। सोमवार को 8 स्थलों पर यातायात पुलिस ने चेकिंग कर 417 वाहनों के चालान किए। तीन दिन में अब तक 1414 वाहनों के चालान किए जा चुके हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त यातायात रामानंद कुशवाहा ने बताया कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर दोपहिया और तीन पहिया वाहनों के अलावा भैंसा बोगी या अन्य धीमी रफ्तार के वाहनों के

आवागमन पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद लोग इन वाहनों को लेकर दोनों एक्सप्रेसवे पर सफर कर रहे हैं। इसकी वजह से अब घने कोहरे के दौरान सड़क हादसों की आशंका और बढ़ गई है। शनिवार को शुरू हुए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 473 वाहनों के चालान किए गए थे। रविवार को दूसरे दिन सुबह यातायात पुलिस की आठ टीमों ने 524 वाहनों के चालान काटे। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नो एंट्री में प्रवेश करने पर सोमवार को 417 वाहनों के चालान किए गए। प्रत्येक वाहन चालक को 20 हजार रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा।

दो युवकों की हत्या की वजह बनी फैक्टरी ध्वस्त

लोनी।रिस्तल गांव के दो चचेरे भाइयों की हत्या की वजह बनी अवैध तार जलाने की फैक्टरी को प्रशासन की टीम ने सोमवार को जेसीबी चलाकर ध्वस्त कर दिया। टीम ने रिस्तल गांव के जंगल में चल रही फैक्टरी पर कार्रवाई की है। फैक्टरी के अंदर हत्या के बाद संचालक उसे बंद कर फरार हुए थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एसडीएम हिमांशु वर्मा ने बताया कि जिला अधिकारी के आदेश और प्रदूषण की रोकथाम को लेकर टीम ने रिस्तल स्थित एक अवैध फैक्टरी पर कार्रवाई की है। इस फैक्टरी को लेकर शिकायत मिली थी। तहसीलदार शिव नरेश सिंह, प्रदूषण विहार समेत अन्य टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। यहां टीम ने जेसीबी चलाकर फैक्टरी को ध्वस्त किया है। फैक्टरी में बड़ी मात्रा में तेजाब के ड्रम रखे थे । एक कृत्रिम तालाब में तेजाब भरा था । इससे पशु-पक्षियों और आसपास के लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता था। प्रशासन की टीम ने गड्ढा खोदकर इसका निस्तारण किया। हालांकि अभी पूरी तरह इसका निस्तारण नहीं हुआ है । तहसीलदार शिवनरेश सिंह ने बताया कि केमिकल के निस्तारण के लिए फिर से टीम आएगी। बता दें कि प्रदूषण फैलाने का विरोध करने पर रिस्तल गांव में दो युवकों गौरव और दुर्गेश की हत्या कर शवों को खेत में फेंक दिया था। दोनों युवक फैक्टरी चलाने का विरोध करते थे। दोनों के शव मिलने के बाद ग्रामीणों ने हंगामा किया । पुलिस ने मामले में हत्या का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था। हत्या के बाद अमर उजाला लगातार इन फैक्टरियों की खबर को प्रमुखता से उठाता रहा। प्रशासन की टीम ने खबर को संज्ञान में लेकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है।

गाजियाबाद में कार ने दो को कुचलाः जान बचाकर भाग रहे लोगों ने गार्ड के सीने पर चढ़ाई ऑडी



एनटीवी न्यूज

राजस्थान की रहने वाली इंदू सागर की शादी पांच साल पहले वसुंधरा सेक्टर-10ए में अक्षय कुमार से हुई थी। दोनों का चार साल का बेटा कबीर भी है।

नई दिल्ली। गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर-10 ए में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला और उनकी बहन व बहनोई से मारपीट के बाद गाड़ी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सोसायटी से जान बचाकर भागते समय स्कूटी सवार युवक और सुरक्षा गार्ड सत्यम झा तेज रफ्तार ऑडी गाड़ी की चपेट में आ गए। गार्ड के पैर और छाती में गंभीर चोट लगी है।

मंगलवार को इस घटना का वीडियो व्हाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो गया। इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस ने रविवार को महिला की शिकायत पर ससुराल पक्ष के आठ लोग और सुरक्षा गार्ड की शिकायत पर मंगलवार को गाड़ी मालिक डॉ. धीरज पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान की रहने वाली इंदू सागर की शादी पांच साल पहले वसुंधरा सेक्टर-10ए में अक्षय कुमार से हुई थी। दोनों का

चार साल का बेटा कबीर भी है। आरोप है कि शादी के कुछ महीनों बाद से ससूर रतनलाल, सास मुकेश रानी, पति अक्षय कुमार, मौसेरे ससुर अजय कुमार, मौसी सास सुमन देवी, जेठ समक्ष कुमार व देवर सार्थक और अंदाज सभी लोग दहेज के लिए मारपीट करने लगे। कई बार इनकी मांग पूरी की लेकिन दोबारा से ये लोग घर से पैसे मंगाने के लिए मानसिक व शारारिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं, अक्षय रोजाना शराब, सिगरेट और गांजे का नशा करके मारपीट करता था। 2 जनवरी को ससुर रतनलाल और सास मुकेश रानी ने उन्हें कमरे में बंद कर खूब पीटा। इस बारे में इंदू ने अपने मायके वालों को बताया तो आठ जनवरी दिन रविवार को बहन और बहनोई डॉ. धीरज उन्हें लेने के लिए वसंधरा आए थे। आरोप है कि ससुरालियों

बहन और बहनोई पर बदतमीजी के बाद किया हमलाः

ने उनके बेटे कबीर को घर में बंद कर

इंदू का आरोप है कि जब बहन व बहनोई ससुरालियों से बात कर रहे थे तो सास और ससुर व पित ने उन पर ही आरोप लगा दिए। अक्षय के बाहर भी कई युवतियों से संबंध है। लिहाजा वह पत्नी से अक्सर मारपीट व बदसलकी करता था। रविवार को भी ससुरालियों ने बहन व बहनोई के सामने पहले तो इंदू से मारपीट की जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने मिलकर दोनों से धक्का-मुक्की व बदसलूकी शुरू कर दी। जब वह घर से बाहर निकलने लगे तो ससर रतनलाल और सास मुकेश रानी व देवरों ने घर में बंद कर तीनों से मारपीट की। किसी तरह वह जान बचाकर ऑडी गाड़ी से भागने लगे। तो ससुरालियों ने कालोनी के अन्य लोगों को इकट्ठा कर सुरक्षा गार्ड सत्यम कुमार झा से मुख्य गेट बंद कर उनकी गाड़ी घेरने के लिए कहा। मगर इंदू और उनकी बहन व बहनोई डॉ. धीरज ने किसी तरह जान बचाकर वहां से निकलने के लिए गाड़ी तैयार की।

ससुरालियों ने गाड़ी पर किया लाठी डंडों से हमला

इस घटना में आरोपी ससुरालियों की भी गंदी हरकतों का वीडियो सामने आया है कि जिस समय तीनों लोग घर से निकलकर ऑडी गाड़ी में बैठे तो ससुर और देवर व अन्य लोगों ने लाठी-डांडो से हमला कर दिया। इसमें ऑडी गाड़ी के शीशे टूट गए और इंदू समेत तीनों लोगों के चोट लग गई। वह किसी तरह जान बचाकर तेजी से सोसायटी से भागने लगे। इस बीच मुख्य गेट पर लगा बैरियर भी टूट गया।

स्कूटी सवार युवक और सुरक्षा गार्ड

पर चढ़ी गाड़ी
तीनों लोग अपनी जान को खतरे में देख
जिस समय तेजी से भाग रहे थे। तभी मुख्य
गेट पर खड़ा सुरक्षा गार्ड सत्यम कुमार झा
निवासी मकनपुर व एक स्कूटी सवार
युवक गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ी का
पहिया सत्यम के पैर पर चढ़ने से उसमें
फ्रैक्चर व छाती में चोट लग गई। उसे
तुरंत सोसायटी के लोगों ने निजी
अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टर
घायल का उपचार चल रहा है।

लोगों पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि इंदू सागर ने दहेज मांगने, मारपीट, गाड़ी पर हमला करने की धारा में इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस को पित अक्षय कुमार, ससुर रतनलाल, सास मुकेश रानी, मौसेरे अजय कुमार, मौसी सास सुमन देवी, जेठ समक्ष कुमार, देवर सार्थक व अंदाज पर मुकदमा कराया है। दूसरी तरफ वीडियो वायरल होने के बाद सुरक्षा गार्ड सत्यम कुमार झा ने गाड़ी चालक डॉ. धीरज पर मुकदमा कराया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

इनसाइड

कोहरा हुआ और घना... अब पाले से भी पड़ेगा पाला

गाजियाबाद।सोमवार को सर्दी के इस सीजन का सबसे घना कोहरा पड़ा जो दोपहर एक बजे जाकर छंटा लेकिन शाम ढलते ही फिर से छा गया। दुश्यता शुन्य रही, जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई। बाजार भी देर से खुले। हालांकि बादल छाए रहने से तापमान में कुछ उछाल आया। न्यूनतम तापमान सात डिग्री से एक बढ़कर आठ डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया लेकिन गलन ने कंपकंपी छुड़ाए रखी। आर्द्रता 99 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले दिनों में पाला पड़ेगा। मंगलवार को न्यूनतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हो सकती है। अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। न्यूनतम तापमान आठ डिग्री ही सेल्सियस रह सकता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का कहना है कि अभी चार दिन तक घना कोहरा और शीतलहर जारी रहने के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ का दबाव धीरे-धीरे आगे की तरफ बढ़ रहा है इसलिए अब मौसम साफ रहने के आसार हैं। डॉ. शाही का कहना है कि हवा की गति कम होने से कोहरा और पाला पड़ने की संभावना है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. अरविंद यादव का कहना है कि पाला पड़ने पर खेत की गुड़ाई या जुताई नहीं करें। इससे मिट्टी का तापमान कम हो जाता है। कोहरा और शीतलहर से बचाने के लिए पछेती आलू, सरसों, मटर, गेहूं और चना की हल्के पानी की सिंचाई करें। सरसों में फफूंदीनाशक और कीटनाशक छिड़काव करें।

बाजारदेरसेखुले, जल्दी हुए बंद

घना कोहरा होने से अधिकांश बाजार एक घंटे की देरी से खुले और रात में दस बजे तक खुलने वाले अधिकांश बाजारों में आठ बजे ही सन्नाटा पसर गया। दिन में भी बाजार में लोगों की संख्या बहुत कम रही। ग्राहक नहीं होने से दुकानदार भी सर्दी से बचाव के लिए हीटर और अलाव सेंकते नजर आए। तुराबनगर, घंटाघर, चौपला भी सुनसान दिखाई दिए।

सिर्फ गंभीर मरीज ही पहुंचे अस्पताल

सर्दी अधिक होने से अस्पतालों में भी सामान्य मरीज नहीं पहुंचे। ओपीडी में 11 बजे से 12 बजे के बीच सिर्फ एक घंटे ही लाइन लगी।

खेलते हुए ४० फुट के गड्ढे में गिरा मूक-बधिर माविया, पाइप से पहुंचाई जा रही ऑक्सीजन

हापुड़। बताया जा रहा है कि यह बोरवेल करीब 20-40 फुट गहरा है। सूचना पर मौके पर एसपी दीपक भूकर व एडीएम श्रद्धा शांडिल्याण मौके पर पहुंचे।

हापुड़ देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला फूलगढ़ी में नगरपालिका के बंद पड़े नलकूप के बोरिंग में चार साल का बच्चा गिर गया। उसके गिरते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच

बच्चे की पहचान माविया पुत्र साजिद खेलते हुए गिर गया। माविया मूक-बिधर है और बोरवेल से लगातार उसके रोने की आवाजें आ रही हैं और उसे निकालने का प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि यह बोरवेल करीब 20-40 फुट गहरा है और उसे पाइप से ऑक्सीजन दी जा रही है। सूचना पर मौके पर एसपी दीपक भूकर व एडीएम श्रद्धा शांडिल्याण मौके पर पहुंचे हैं। इस वक्त एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

बोतल से पहुंचाया गया दूध

बोरवेल में फंसे बच्चे को बोतल के माध्यम से दुध पहुंचाया गया है। रेस्क्यू में लगे



कर्मचारियों ने बताया कि बच्चे ने दूध पी लिया है। इसके अलावा बोरवेल में प्रकाश की व्यवस्था कराई गई है। बोरवेल के अंदर कैमरा डालकर स्क्रीन पर अंदर के हालात देखने की कोशिश की जा रही है। बोरवेल के अंदर मोबाइल भेजकर बच्चे के पिता व दादा को उसे दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि इशारों के माध्यम से उसे कुछ समझाया जा सके।

जा सके। दोपहर में बच्चों के साथ खेल रहा था माविया मंगलवार दोपहर करीब 12.00 बजे माविया मोहल्ले के दूसरे बच्चों के साथ खेल रहा था। लोगों ने बताया कि मोहल्ले में करीब 4 साल से बंद पड़े नगरपालिका के नलकूप के खंडहर में अक्सर बच्चे खेला करते थे। रोज की तरह बच्चे करीब डेढ़ फुट चौड़े बोरिंग के आसपास बच्चे खेल रहे थे। तभी संतुलन बिगड़ने के कारण अचानक बच्चा बोरिंग के अंदर गिर

दूसरे बच्चों ने माविया के गिरने की सूचना पास हाथ ताप रहे कुछ लोगों को दी। जैसे ही लोगों को सूचना मिली लोग बच्चे को बचाने के लिए दौड़ पड़े। मोहल्ले के लोग राहत में लगे कर्मचारियों की मदद के लिए रास्ते पाइप व अन्य सामान मुहैया करा रहे हैं।

अन्य सामान मुहया करा रह ह। नलकूप का रास्ता तंग होने की वजह से पीछे के रास्ते से जेसीबी के माध्यम से दीवार तोड़कर रास्ता चौड़ा करने का प्रयास किया गया। फिलहाल बच्चे को शांत रखने के लिए उसके दादा को बुलाया गया है। दादा बच्चे को आवाज देकर उसे शांत करने का प्रयास कर रहे है। बच्चे की मां समरीन का रो-रोकर बुरा

इलाज कराने आई महिला से नकदी और जेवर ढगे

गाजियाबाद। इलाज कराने एमएमजी अस्पताल पहुंची महिला से ठगों ने कुंडल, मंगलसूत्र, अंगुठियां और नकदी ठग ली। ठगों ने खुद को अस्पताल का स्टाफ बताकर महिला को एमआरआई कराने का झांसा दिया और नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर दिया। होश आने पर महिला को ठगी का पता चला। यह घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला ने घंटाघर कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

हैबतपुर, ग्रेटर नोएडा की श्रीसाईं उपवन सोसायटी में रहने वाली महिला सरोज बघेला के बेटे आयुष ने बताया कि उनकी मां के सिर में दर्द रहता है। सोमवार सुबह वह एमएमजी अस्पताल में इलाज कराने आई थीं। ओपीडी में डॉक्टर से परामर्श के बाद वह बाहर निकली थीं। इसी दौरान दो युवक आए उनकी



मां सरोज को बोले की उनकी एमआरआई करा देते हैं। उनमें से एक युवक ने अपना नाम सतीश बताया और खुद अस्पताल का स्टाफ बताया। उनकी मां युवकों के झांसे में आ गई और उनके साथ चल दीं। वह उन्हें अस्पताल में इधर-उधर घुमात रहे, थोड़ी देर बाद वह बेसुध हो गई। जब उन्हें होश आया तो उनके कानों से कुंडल, सोने की दो अंगुठियां, मंगलसूत्र, चांदी की अंगूठी और करीब तीन हजार रुपये गायब मिले। महिला ने अस्पताल में ही अन्य लोगों से मदद लेकर बेटे आयुष को फोन पर

घटना की सूचना दी। आयुष का कहना है कि उन्होंने अस्पताल पहुंच पुलिस को सूचना दी। घंटाघर कोतवाली पुलिस ने उन्हें बजरिया पुलिस चौकी पर भेज दिया। बजरिया चौकी पुलिस ने अस्पताल पहुंच सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की। इसमें सरोज खुद ही आभूषण उतारकर देती हुई दिखाई दे रही हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। एसीपी कोतवाली का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिरासत में लिए गए ड्राइवर की मौत लोगों में भारी गुस्सा... सड़क पर उतरे

इंदिरापुरम। अहिंसाखंड-2 में रविवार की रात पुलिस हिरासत में लिए गए ऑटो चालक धर्मपाल (28) की मौत हो जाने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ऑटो की टक्कर से दो लोगों के घायल हो जाने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया था। पुलिस की पिटाई से मौत होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने सीआईएसएफ रोड पर सोमवार को सुबह से शाम तक कई बार हंगामा किया। पुलिसवालों पर कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दी। निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर ही शांत हुए। शाम को पुलिसवालों के खिलाफ तहरीर दी। ऑटो चालक धर्मपाल रविवार रात करीब 10 बजे धर्मपाल कनावनी पुस्ते से घर लौट रहा था। उसके चचेरे भाई मुरारी ने बताया कि अहिंसाखंड-2 में अचानक साइकिल सवार दो लोग ऑटो से टकरा गए। पुलिस घायलों के साथ धर्मपाल को भी अस्पताल ले गई। अस्पताल से दोनों युवक घर चले गए। पुलिस धर्मपाल को अपने साथ कनावनी चौकी ले गई। धर्मपाल के परिवार के सदस्य संतोष ने बताया कि रात करीब 11 बजे एक पुलिसकर्मी ने फोन कर चौकी आने के लिए कहा। कुछ देर बाद धर्मपाल ने फोन कर बताया कि पुलिसकर्मी उसे पीट रहे हैं। इस पर संतोष ने जल्द चौकी पहुंचने की बात कही। कुछ देर में परिवार के अन्य सदस्य चौकी पहुंच गए। चचेरे भाई मुरारी का आरोप है कि पुलिसकिमियों ने उनसे कहा कि धर्मपाल को इंदिरापुरम कोतवाली भेजेंगे लेकिन रात डेढ़ बजे अचानक उसे छोड़ दिया।

अचानक सीने में उठा था दर्द

चौकी से बाहर निकलकर धर्मपाल ने उससे बताया कि अचानक सीने में उठे दर्द से तबीयत



बिगड़ रही है। वे उसे लेकर शांति गोपाल पहुंची औ अस्पताल भेज दिया, जहां उसे मृत घोषित कर के लिए वे दिया गया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने धर्मपाल की जमकर पिटाई की, जिससे उसकी हंगामा श् मौत हुई है। सोमवार सुबह लोगों के एकत्रित होने की सूचना पर इंदिरापुरम पुलिस मौके पर

पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही लेकिन परिजनों ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की बात कहकर हंगामा शुरू कर दिया।

अस्पताल के बाहर हंगामा और पुलिस से

नोकझोंक

आँटो चालक की मौत के बाद यूनियन के लोग भी अपने-अपने वाहनों को लेकर पहुंच गए। अस्पताल के बाहर भारी संख्या में पहुंचे चालकों ने सुबज आठ बजे सड़क पर ऑटो लगाकर जाम लगा दिया और नारेबाजी की। हंगामा बढ़ने पर कौशांबी, साहिबाबाद और लिंकरोड थाने से पुलिस फोर्स बुलाया गया। दोपहर करीब ढाई बजे डीसीपी ट्रांस हिंडन डॉ दीक्षा शर्मा मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, गुस्साए लोगों ने पुलिस की नहीं सुनी और प्रदर्शन जारी रखा। शाम करीब छह बजे के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर

पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों के सुपुर्द किया था

डीसीपी ट्रांस हिंडन डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि

चालक धर्मपाल के ऑटो से साइकिल सवार टक्कर लगने से चोटिल हो गए थे। अस्पताल में चेकअप कराने के बाद दोनों युवक चले गए थे। चालक के परिजनों को बुलाकर उसे भी सुपुर्द कर दिया था। उसके साथ मारपीट के आरोप बेबुनियाद हैं। युवक को रात करीब साढ़े 11 बजे छोड़ दिया गया था।

तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

कासगंज के थाना अमापुर क्षेत्र के गांव नगला बांस में रहने वाले धर्मपाल यहां किराये पर रहता था। उसके परिवार में पत्नी पूनन, बेटी कामना (सात), तनु (छह) व बेटा रिषभ (तीन) हैं। धर्मपाल की मौत से तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। परिजनों ने पुलिस से सवाल किया कि धर्मपाल के परिवार का पोषण अब कैसे होगा?

अस्टामाडाइल विशेष

ऑटो एक्सपो २०२३ में होगी ये एमपीवी पेश, जानें इनमें क्या कुछ होगा खास

Upcoming MPVs भारतीय बाजार में MPV सेगमेंट काफी लोकप्रिय है। अगर आप अपने लिए इस नए साल पर एमपीवी कार खरीदने की सोच रहे हैं तो ऑटो एक्सपो 2023 में कई वाहन निर्माता कंपनियां MPV कारों को पेश करने वाली है।

MPV सेगमेंट भारतीय बाजार में काफी लोकप्रिय है। कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां इस साल ऑटो एक्सपो में अपनी नई कारों को पेश करने वाली है और नई कारें विकसित भी हो रही है। चलिए इस लिस्ट में देखते हैं कौन सी कंपनियां अपनी कारों को लेकर आने वाली है।

Innova Crysta facelift

इनोवा क्रिस्टा फेसलिफ्ट ने जब टोयोटा की

नई हाई क्रॉस का अनावरण किया, तो कंपनी ने कहा कि इनोवा क्रिस्टा डीजल इनोवा हाई क्रॉस के साथ बिक्री पर रहेगी। आपको बता दे इनोवा क्रिस्टा डीजल की बुकिंग जनवरी 2023 से शुरू होगी। इसको लेकर उम्मीद ये जताई जा रही है कि इसका डीजल वेरिएंट मामूली कॉस्मेटिक बदलाव और अतिरिक्त फीचर के साथ लेकर आया जाएगा। Innova Crysta में 2.4-लीटर D-4D टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन होगा जो 148 bhp और 343 Nm

का टाक जनरेट करता है। इसके इंजन को 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

Kia Carnival

कंपनी ने किआ कार्निवल फेसलिफ्टेड किआ कार्निवल का 2021 में वैश्विक स्तर पर अनावरण किया था। डायमेंशन की बात करें तो नई कार्निवल की लंबाई 5155mm, चौडाई 1995mm और ऊंचाई 1775mm है। भारतीय बाजार में 2023 Kia Carnival को 2.2L डीजल मोटर के साथ उपलब्ध कराए जाने की संभावना है जो 200bhp और

Hyundai Stargazer

हाल के दिनों में Hyundai ने इंडोनेशियाई बाजार में अपनी नई Stargazer MPV का अनावरण किया है। ये कार इंडियन मार्केट में Suzuki Ertiga और XL7, Kia Carens, Toyota Avanza & Veloz, Mitsubishi Xpander और Daihatsu Xenia को टक्कर देगी। इसमें स्लिम हॉरिजॉन्टलLED DRLs भी हैं जो टॉप पर लगा हैं और मेन LED हेडलैंप क्लस्टर लोअर बंपर पर पोजिशन किया गया है।

Citroen C3 based MPV

भारतीय सड़को पर इसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये 7 सीटर वाली कार है। आपको बता दे एमपीवी कॉम्पैक्ट हैचबैक की तुलना में अधिक लंबी दिखती है। कंपनी इस कार में काफी नए अपडेट भी दे सकती है। लेकिन ये अनुमान लगाया जा रहा है कि Citroen MPV अर्टिंगा से ज्यादा किफायती होगी।

डनसाइड



कार में खराब ECU के चलते हो जाती है शॉर्ट सर्किट, बरतें ये सावधानियां

ECU अगर खराब हो गया तो कार को चलाना काफी मुश्किल हो जाती है। कार को चालू करने में आपको कई परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो लोग इसके कारण लंबी दूरी की यात्रा तक नहीं कर पाते हैं।

नई दिल्ली जब भी लोग कार या फिर बाइक की सर्विसिंग कराने जाते हैं तो सिर्फ इंजन ऑयल या फिर बाकी समान पर ही अधिक ध्यान देते हैं ।इसके चेक करना भूल जाते हैं। (Electronic Control Unit) ईसीयू का इस्तेमाल आज के समय में कार में ही नहीं बल्कि बाइक्स में भी खूब हो रहा है। आपको बता दें इससे प्रदूषण कम करने के साथ गाड़ी के माइलेज को बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। इसमें बैटरी के डायरेक्ट कनेक्शन होने की वजह से इसमें सेंसर का इस्तेमाल किया जाता है।

पानी से रखें दूर

बैटरी का डायरेक्ट कनेक्शन होने की वजह से इसमें शॉर्ट सर्किट होने की संभावना अधिक रहती है। अधिकतर लोग वाशिंग करवाते समय इस पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। इसका खराब होने के सबसे बड़ा कारण पानी है। इंजन के पास ईसीयू होने की वजह से बोनट खोलने पर या फिर बारिश के मौसम में पानी जाने से भी खतरा रहता है।

बैटरी के वायर को लगाते समय रखें ध्यान

अक्सर लोग प्लस और माइनस यानी गरम ठंडा के ऊपर ध्यान तो देते ही है लेकिन गलती से कई बार उसे उल्टा भी कर देते हैं। जब पॉजिटिव और नेगेटिव मिल जाते हैं तब इससे शॉर्ट सर्किट हो जाता है। कई लोग बैटरी शॉर्ट होने की वजह से एक और बैटरी लेकर इसे अलग से वायरिंग के जिरए कनेक्ट करते हैं। ऐसी स्थिति में जब आप कार को चालू करते हैं तो ECU (Electronic Control Unit) में खराबी होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

वोल्टेज कम हो तो बैटरी खराब हो सकती है

अचानक से वोल्टेज कम और ज्यादा होने के कारण ईसीयू खराब हो सकता है। गर्मी के मौसम में ऐसी समस्याएं अधिक होती है। इसके अलावा आपकी खराब बैटरी के ऊपर गाड़ी को बार -बार चालू बंद करने से भी ईसीयू खराब होता



भारतीय बाजार में बजाज Bajaj Pulsar 150 का सफर काफी बेमिसाल रहा है। कंपनी ने इस बाइक को अब बंद कर दिया है। इसकी जगह अब Bajaj Pulsar P 150 ने ले ली है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बजाज लोगों के दिल पर कई सालों से राज कर रही है। कंपनी की पल्सर 150 बाइक की भूमिका इसमें सबसे अहम रही है। लोगों द्वारा इस मोटरसाइकिल को सबसे अधिक पसंद किया गया। लेकिन अब ये बाइक आपको दिखाई नहीं देगी। कंपनी ने इसे फिलहाल बंद कर दिया है। 20 सालों से बाजार में इस बाइक ने अपनी धाक जमा रखी थी। अब इस बाइक की जगह इंडियन मार्केट में पल्सर P150 ले सकती है।

बजाज का सुहाना सफर

आपको बता दें कि भारतीय बाजार में 80 से 90 के दशक में बजाज के स्कूटर सेगमेंट का दबदबा था। बाइक, स्कूटर की

तुल ना

में काफी तेज थी।
माइलेज के मामले में भी दमदार थी।
बाइक की लोकप्रियता बढ़ी को कंपनी ने
इंडियन मार्केट में अपनी धाक जमाने के
लिए पल्सर 150 और पल्सर 180 को
लॉन्च किया था। दोनों बाइक्स अपने
बेहतर लुक के चलते मार्केट में हिट भी हो
गई थीं। इन बाइक्स ने लोगों का ध्यान
जल्दी और लंबे समय के लिए खींचा।

Bajaj Pulsar 150

कंपनी ने बीते 20 सालों में पल्सर 150 में कई बडे बदलाव किए हैं। फर्स्ट जनरेशन पल्सर 150 में अधिकतम 12 hp के पावर वाला इंजन था, जिसे 5 स्पीड के गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है। इसके बाद इस बाइक को अपडेट 2003 में मिला था। कंपनी ने तब इसमें DTS-i डिजिटल ट्विन स्पार्क इंग्निशन वाला इंजन लॉन्च किया। इसने बाइक को काफी दमदार बनाया।

Bajaj Pulsar 150 इंजन

पल्सर 150 का इंजन 14 PS की मैक्सिमम पावर और 13.25 NM का मैक्सिमम टॉर्क जनरेट करता है। इसका लुक भी काफी शानदार था। पल्सर 150 के दोनों सिरों पर 17 इंच का व्हील मिलता है। जो इंटीग्रेटेड ABS के साथ 260 mm वेंटिलेटेड फ्रंट डिस्क के साथ आता है।

Bajaj Pulsar P 150 ने दी है

भारतीय बाजार में पल्सर पी150 की कीमत 1,16,755 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है।पल्सर पी150 में एयर-कूल्ड, 149cc सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है जो 8,500rpm पर 14.5 बीएचपी की पॉवर और 6,000rpm पर 13.5 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।



2023 Toyota Innova Crysta फरवरी में होगी लॉन्च, जानें समावित कीमतें और अन्य डिटेल्स

कयास लगाए जा रहे हैं कि नई 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को 2.7 लीटर 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और सीएनजी ईंधन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। एमपीवी का सीएनजी संस्करण फ्लीट मार्केट और निजी खरीदारों दोनों के लिए लक्षित होगा।

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर देश में नई इनोवा हाईक्रॉस लॉन्च करने के बाद अब अपडेटेड इनोवा क्रिस्टा एमपीवी पेश करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अपडेटेड 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा फरवरी में बाजार में लॉन्च होगी। इसे इनोवा हाईक्रॉस के साथ बेचा जाएगा। इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर में मामूली बदलाव किए जाने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अपडेटेड 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा फरवरी में बाजार में लॉन्च होगी। इसे इनोवा हाईक्रॉस के साथ बेचा जाएगा। इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर में मामूली बदलाव किए जाने की उम्मीद है।

संभावित इंजन

कयास लगाए जा रहे हैं कि नई 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को 2.7 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और सीएनजी ईंधन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। एमपीवी का सीएनजी संस्करण फ्लीट मार्केट और निजी खरीदारों दोनों के लिए लिक्षित होगा। इसके अलावा, इसमें 2.4L टर्बो डीजल इंजन भी ऑफर पर होगा। जापानी ऑटोमेकर का लक्ष्य फरवरी 2023 से नई इनोवा क्रिस्टा की लगभग 2,000 - 2,500 यूनिट/माह का निर्माण करना है। रिपोट्स बताती हैं कि MPV



मॉडल लाइनअप को केवल G, G+ और GX सहित निचले ग्रेड में पेश किया जाएगा। टॉप-एंड VX और ZX ट्रिम्स को बंद कर दिया जाएगा।

संभावित कीमतें

नई 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की कीमतें लगभग 18 लाख रुपये से शुरू होकर 23 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जा सकती हैं।

Toyota Innova Hycross भारत में हुई

लान्च भारतीय

भारतीय बाजार में Toyota Innova HyCross को कंपनी ने लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 18.30 लाख रुपए से शुरू होती है और 28.97 लाख रुपए (एक्स- शोरूम) तक जाती है। आपको बता दें कंपनी ने इस कार की बुकिंग 50,000 रुपए में शुरू कर दी थी और यह गाड़ी डीलरशिप पर भी पहुंचने लगी थी। इसके साथ ही इसे कुल पांच वेरिएंट्स में -, GX, VX, ZX, और ZX (O) में लाया गया है।

संपादक की कलम से

2024 में राम-रोटी!

देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा श्रीराम मंदिर के संपूर्ण निर्माण की तारीख घोषित करना 'प्रसंगहीन' नहीं है। प्रभु राम के अलावा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल मंदिर कॉरिडोर, विंध्यवासिनी मंदिर, मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर आदि को भी उन्होंने गिनवाया है कि भाजपा और मोदी सरकार ने उनका भी परिसंस्कार करा अपना संकल्प पूरा किया है। गृहमंत्री ने सोमनाथ और अंबाजी मंदिरों का विशेष उल्लेख किया कि उन्हें स्वर्ण-मंडित किया जा रहा है। मंदिरों की गिनती प्रसंगहीन इसलिए नहीं है, क्योंकि भाजपा 2024 के आम चुनाव से पहले ही हिन्दुत्व और राम मंदिर का विशेष प्रचार शुरू कर सकती है। राम मंदिर का जिक़र अभी तक चुनाव घोषणा पत्रों तक ही सीमित था और उसे लेकर भाजपा से लगातार सवाल किए जाते थे। कांग्रेस और विपक्ष उपहास करते रहे हैं कि राम मंदिर बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे।' अब अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर मूर्त रूप ले रहा है और भाजपा इसे 'यथार्थ का प्रकटीकरण' के तौर पर पेश करना चाहती है। चूंकि कई मुद्दों पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की, देश के विभिन्न राज्यों में, राजनीतिक घेराबंदी की जा रही है, लिहाजा पार्टी निर्णायक चुनावी लड़ाई में प्रभु राम को भी शामिल करने से नहीं चूकेगी। इसी दौरान आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबोले का भी महत्त्वपूर्ण बयान सामने आया है कि बेशक देश के लोगों की इच्छा थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने, लेकिन राम के साथ-साथ रोटी भी चाहिए। रोटी के मायने हैं: उद्योग, रोजग़ार और धन। राम-रोटी दोनों ही देश की सभ्यता हैं। आरएसएस सरकार्यवाह का यह बयान भाजपा की राजनीति के विपरीत पड़ता है। दत्तात्रेय दो-तीन बार इसी आशय के सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने देश में गरीबी-रेखा के तले जीने वाली जमात और उसकी न्यूनतम से भी कम आमदनी का उल्लेख किया और सवाल उठाए हैं भाजपा और मोदी सरकार प्रत्यक्ष तौर पर इन सवालों के जवाब नहीं देना चाहतीं और चुनाव का जनादेश तो बिल्कुल भी नहीं चाहतीं, लिहाजा मंदिरों के परिसंस्कार की गिनती गिनाई जाने लगी है। कमोबेश भाजपा मोदी सरकार को हिन्दुत्व की एकमात्र, सशक्त पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहती है। हालांकि भाजपा आज भी चुनावी दृष्टि से कमजोर पार्टी नहीं है। देश के करीब 15 राज्यों में 50 फीसदी या उससे अधिक जनमत उसके पक्ष में है। सहयोगी दलों की दो सरकारें ऐसी हैं, जिन्हें 50 फीसदी से ज्यादा जनादेश हासिल हुआ था। फिर भी आम चनाव की ठोस जुमीन तैयार करने के मद्देनजर 2023 के 9 विधानसभा चुनावों में ही भाजपा राम मंदिर और हिन्दुत्व पर पूर्वाभ्यास करना चाहती है। गृहमंत्री का यह बयान भी घोर चुनावी है कि यदि 2024 में भी आप मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, तो छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बनाएं। सवाल सहज है कि एक राज्य की 11 संसदीय सीटों से ही देश का प्रधानमंत्री कैसे तय हो सकता है ? जवाब साफ है कि जहां भाजपा खुद को कुछ कमज़ोर पा रही है, वहीं वोट मांगने पर उतर आई है। सवाल यह भी किया जा सकता है कि क्या केंद्र में भाजपा सरकार को इसलिए ऐतिहासिक और प्रचंड जनादेश मिला था कि वह मंदिरों के परिसंस्कार कराएगी ? भाजपा और प्रधानमंत्री कभी लाखों रोजग़ार देने की बात नहीं करते। सवाल में फंस जाएं, तो मुद्रा के अपर्याप्त ऋग

विमुद्रीकरण से देश को हुआ फायदा



डा. अश्विनी महाजन

सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के नवंबर 2016 के 500 और 1000 रुपए के नोटों के विमुद्रीकरण के फैसले को वैध ठहराया है। माना जा रहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले पर मुहर लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नोटबंदी पर वर्षों से चल रहे विवाद पर पूर्ण विराम लग गया है। गौरतलब है कि विरोधी दलों सहित कई अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री इस फैसले का विरोध कर रहेथे।

के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी नोटबंदी के पक्ष में विचार रखे थे। लगभग 99 वर्ष पूर्व डॉ. अंबेडकर ने अपने शोध ग्रंथ में यह लिखा था कि हर 10 साल में करेंसी को बदल दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि ऐसा करने से महंगाई और भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है। नोटबंदी के कई फैसलों में से एक महत्त्वपूर्ण फायदा महंगाई पर अंकुश है। जाहिर है बड़ी मात्रा में करेंसी के रूप में काला धन कुछ चंद अमीरों के पास क्रय शक्ति को बढ़ाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। नोटबंदी के बाद महंगाई में कमी भी देखी गई। दिसंबर 2016 से नवंबर 2022 के दौरान उपभोक्ता कीमत सूचकांक (उपभोक्ता महंगाई) में कुल मात्र 32.5 प्रतिशत की वृद्धि रिकार्ड की गई, जबकि इससे पूर्व के 6 वर्षों में यह वृद्धि 54.1 प्रतिशत थी। यानी कहा जा सकता है कि विमुद्रीकरण के बाद देश में महंगाई की दर में कमी आई। अब यह बात मान ली जानी चाहिए कि नोटबंदी से देश को कोई नुकसान नहीं हुआ

सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के नवंबर 2016 के 500 और 1000 रुपए के नोटों के विमुद्रीकरण के फैसले को वैध ठहराया है। माना जा रहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले पर मुहर लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नोटबंदी पर वर्षों से चल रहे विवाद पर पूर्ण विराम लग गया है। गौरतलब है कि विरोधी दलों सिहत कई अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री इस फैसले का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि सरकार के इस फैसले से आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और साथ ही साथ इससे छोटा-मोटा व्यवसाय करने वालों को नोटबंदी के इस फैसले से भारी नुकसान हुआ और इससे उनके रोजगार पर भी भारी प्रभाव पड़ा। लेकिन दूसरी ओर देश में एक बड़ा वर्ग नोटबंदी के इस फैसले का स्वागत और समर्थन कर रहा था। सरकार के तर्कों में एक तर्क यह था कि नोटबंदी के इस फैसले से कालेधन पर आक्रमण होगा। हालांकि नोटबंदी के बाद देश में अधिकांश नकदी, नए नोटों में तब्दील हो गई, लेकिन यह भी सच है कि नोटबंदी के बाद नगदी जो कालेधन के रूप में कहीं न कहीं अनुपुयुक्त पड़ी थी, बैंकिंग व्यवस्था में शामिल हो गई और उसका देश के



विकास में इस्तेमाल संभव हो सका। ध्यातव्य है। कि योग गरु बाबा रामदेव, सब्रमण्यम स्वामी सहित कई महत्त्वपूर्ण लोगों द्वारा काले धन पर अंकुश हेतु 500 और 1000 रुपए के नोटों पर प्रतिबंध लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। यूं तो पिछली सरकारों द्वारा भी काले धन को मुख्यधारा में लाने हेतु काले धन को घोषित कर टैक्स जमा करने की कई स्कीमों की घोषणा की गई थी, लेकिन ऐसी अनेकों स्कीमों के बावजूद मात्र 125000 करोड़ रुपए के काले धन को ही बाहर लाया जा सका था।

कहा जा सकता है कि नगदी के रूप में पड़े काले धन को बाहर लाए जाने हेतु यह किसी भी सरकार का पहला बड़ा प्रयास था। प्रधानमंत्री ने इसे स्वच्छता पर्व, ईमानदारी पर्व, फाइट अगेंस्ट करप्शन इत्यादि का नाम दिया। यह भी सत्य है कि विपक्षी दलों के तमाम विरोधी बयानों के बावजूद आमजन ने विभिन्न कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद नोटबंदी की इस मुहिम में जमकर साथ दिया था और आम आदमी काले धन के विरुद्ध इस लड़ाई में स्वयं को भागीदार मान रहा था। आम आदमी की मुश्किलों की बात करें तो हमें समझना होगा कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 92 प्रतिषत गृहस्थों में किसी भी सदस्य की अधिकतम आय अर्जित करने वाले सदस्य की आमदनी 10000 रुपए मासिक से कम ही थी। ऐसे में उन कम आय वाले लोगों के पास 500 और 1000 रुपए के नोट बड़ी मात्रा होने की सम्भावना बहुत कम थी। यही नहीं तब तक बड़ी संख्या में (लगभग 32 करोड) जनधन खाते भी खुल चुके थे, जिसमें आसानी से पुराने नोट जमा किए जा सकते थे। इसलिए आम आदमी को इससे कोई नुकसान होने वाला नहीं था। सरकार द्वारा नोटबंदी से नकली नोटों के कहर से भी बड़े पैमाने पर छुटकारा मिला। पाकिस्तान और अन्य शत्र देशों द्वारा बडे पैमाने पर नकली करेंसी का चलन उनके स्थानीय सम्पर्कों के माध्यम से बढ़ता जा रहा था। इसके चलते आतंकवादस, नक्सलवाद, पत्थरबाजी समेत कई राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था।ऐसा देखा गया कि नोटबंदी के बाद इन सभी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर

गौरतलब है कि करेंसी छापने की गुप्त विशेषताओं के लीक होने का भी मामला लगभग 10 साल पहले सामने आया था और आशंका यह भी थी कि इन विशेषताओं के अनुरूप छपी नकली करेंसी को पहचानने के रास्ते भी बंद हो चुके थे। स्वतंत्र भारत की संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी नोटबंदी के पक्ष में विचार रखे थे। लगभग 99 वर्ष पूर्व डॉ. अंबेडकर ने अपने शोध ग्रंथ में यह लिखा था कि हर 10 साल में करेंसी को बदल दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि ऐसा करने से

नोटबंदी के कई फैसलों में से एक महत्त्वपूर्ण फायदा महंगाई पर अंकुश है। जाहिर है बड़ी मात्रा में करेंसी के रूप में काला धन कुछ चंद अमीरों के पास क्रय शक्ति को बढ़ाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। नोटबंदी के बाद महंगाई में कमी भी देखी गई। दिसंबर 2016 से नवंबर 2022 के दौरान उपभोक्ता कीमत सूचकांक (उपभोक्ता महंगाई) में कुल मात्र 32.5 प्रतिशत की वृद्धि रिकार्ड की गई, जबकि इससे पूर्व के 6 वर्षों में यह वृद्धि 54.1 प्रतिशत थी। यानी कहा जा सकता है कि विमुद्रीकरण के बाद देश में महंगाई की दर में कमी आई। गरीबों को थोड़ी महंगाई भी भारी प्रभाव डालती है। फिर भी पिछले 1 साल से भी, जबकि अमेरिका और यूरोप में जहां महंगाई की महंगाई कभी देखी नहीं गई थी, की तुलना में भी भारत की महंगाई दर काफी कम रिकॉर्ड की जा रही है।

यानी डॉ. अंबेडकर की बात सही सिद्ध हो रही है कि विमुद्रीकरण महंगाई को रोकने का एक कारगर माध्यम हो सकता है। दुनिया में विमुद्रीकरण के कम ही उदाहरण देखने को मिलते हैं। माना जाता है कि विमुद्रीकरण एक कठिन एवं हिम्मत का काम है। सरकारें इसके फायदे समझते हुए भी सामान्यतः असफलता के डर से भी इस हेतु साहस नहीं जुटा पाती हैं। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा इसे सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचा देने और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस फैसले पर मुहर लगा देने के बाद विमुद्रीकरण की बहस पर विराम तो लगा ही है, भविष्य में भी इस प्रकार के फैसले के लिए मार्ग खुल गया है। विमुद्रीकरण के साथ-साथ डिजिटल भुगतानों की ओर भी देश अग्रसर हुआ है और इस संबंध में काफी प्रगति भी हुई है। दुनिया के डिजिटल भुगतानान में 40 प्रतिशत आज भारत में होते हैं। ख़ास बात यह है कि अधिकांश डिजिटल भुगतान, यूपीआई इत्यादि निःशुल्क होते हैं। इस कारण देश में लेन-देन की लागत में भारी कमी आई है और इससे व्यवसाय की सुविधा में भी खासी प्रगति हुई है। दुनिया के कई देश भारत के यूपीआई प्लेटफार्म को अपनाने हेतु लालायित हैं। भारत को विमुद्रीकरण की यह सबसे बड़ी देन है। अब नोटबंदी से देश को नुकसान की बातें नहीं होनी चाहिए। यह दुष्प्रचार अब बंद होना चाहिए।

11 जनवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

2020 - भारतीय उद्योग परिसंघ और JPC के साथ साझेदारी में इस्पात मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के द ओबेरॉय ग्रैंड कोलकाता में एक एकीकृत स्टील हब के माध्यम से पूर्वी क्षेत्र के 'पूर्वावोदय त्वरित विकास' की शुरूआत का आयोजन किया। इस हब का शुभारंभ केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'भारतीय साइबर अपराध

समन्वय केंद्र' और 'राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' का उद्घाटन किया।

2010 – भारत ने उड़ीसा के बालासोर में हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र के दो सफल परीक्षण किए। इस मिसाइल को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है।

भारत ने बांग्लादेश के साथ पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किया जिसमें उसे विकास संबंधी परियोजनाओं के लिए एक अरब डॉलर ऋण देने का वादा शामिल है। इनमें आतंकवाद निरोधी सहयोग को बढ़ाने के लिए तीन सुरक्षा समझौते शामिल हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय की तीन जजों की पीट ने फ़ैसला सुनाया है कि भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के दफ़्तर के लिए भी सूचना का अधिकार (आरटीआई) क्रानून के तहत सूचना देना अनिवार्य है।

2009 – आईटी कम्पनी सत्यम को बचाने के लिए सरकार ने तीन नामित सदस्यों की नियुक्ति की। अचंता शरत कमल ने 70वीं सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग का ख़िताब जीता।

कांग्रेस की नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने दूसरे राज्य पुनर्गढन आयोग के गठन की रूपरेखा तैयार की।

संघर्ष विराम बहाल करने की लिट्टे की अपील को श्रीलंकाई

सरकार ने ठुकराया। 2006 – ओलकलाहोमा राज्य के जंगलों में लगी आग को अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने संघीय आपदा की घोषणा

यूक्रेन में दोबारा हुए राष्ट्रपति चुनाव में पश्चिम समर्थक विपक्षी उम्मीदवार विक्टर युश्चेंको विजेता घोषित।

रिलायंस ने बी .एस .एन .एल . को ८४ करोड़ रुपये चुकाए । 2004 – अहमदाबाद में हुए बलात्कार कांड का आरोपी दिल्ली के नर्सिंग होम से गिरफ़्तार।

2002 – पेट्रोल व डीजल के दामों में कमी। ट्राई ने बी.एस.एन.एल. को एस.टी.डी. दरों में कमी की मंजूरी प्रदान

2001 – भारत और इंडोनेशिया के मध्य पहली बार रक्षा समझौता।

१९९९ – शहरी भूमि सीमा क्रानून निरस्त। १९९८ – लुईस फ्रेचेट (कनाडा) सं.रा. संघ की उपमहासचिव नियुक्त।

गोबरनिर्भर भारत बनाम गोबर स्वाभिमान

न जाने आजकल उन्हें क्यों लगने लगा है कि दुनिया में गाय के गोबर से पवित्र कोई और चीज नहीं। उन्हें अब अपने माता-पिता से भी शिकायत होने लगी है कि उन्होंने उनका नाम केवल गणेश क्यों रखा? माता-पिता को उनका नाम गोबर गणेश रखना चाहिए था। मैंने उन्हें कई बार समझाया भी कि गणेश का अर्थ भले ही समस्त जीव-जाति के ईश होना हो, लेकिन गणेश के साथ गोबर लगाने से गणेश का अर्थ बदल जाता है। जो भोला-भाला या अत्यन्त मुर्खहो, जो काम करने में बेढब हो या जिसे लोक व्यवहार की समझ न हो, उसे गोबर गणेश कहा जाता है। बावजद इसके उनका कहना है कि जब परे देश में ही गोबर फैला हुआ है तो उनके नाम के साथ गोबर जुड़ने पर मुझे आपत्ति क्यों ? फिर भारतीय संस्कृति में गोबर का अपना महत्व है। हवन सामग्री के रूप में सदियों से गोबर का प्रयोग होता आ रहा है। इसके प्रयोग से पर्यावरण संरक्षित होता है और पुरातन संस्कृति जीवंत बनी रहती है। यह गोबर का ही परिणाम था कि हम एक हजार वर्षों तक ग़लाम बने रहे। अगर हमारे दिमाग़ में गोबर नहीं होता तो सैंकडों की संख्या में आए अंग्रेज़ लाखों भारतीयों को ग़ुलाम कैसे बनाते। गाय का गोबर जलाना बेहद पवित्र है। अगर स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान गोबर नहीं जलाया गया होता तो हम आज भी ग़ुलाम बने रहते। उनका तो यह भी मानना है कि अगर देश में नोटबंदी का गोबर नहीं फैला होता तो आज देश में सार्वजनिक ऋगया सरकार पर कज़र्,का बोझ नब्बे प्रतिशत तक नहीं पहुंचता और लोग इतनी महंगाई के बावजूद सम्मोहन के गोबर में नहीं लिपटे होते। यह सम्मोहन के गोबर का ही परिणाम है कि मीडिया आकंठ गोबर में डूबकर, गोदी में बैठा हुआ है।इसलिएगोबरके मामले में देश आत्मनिर्भर है और हमें इस बात पर अभिमान होना चाहिए कि गिनीज बुक ऑव वल्र्ड रिकार्ड में गोबर करने में भारत प्रथम स्थान पर है। इसके लिए किसी स्टार्टअप की भी ज़रूरत नहीं। हमारे कुछ माननीय तो सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि अगर भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो गोबर आर्थिकी से बेहतर कोई आर्थिकी नहीं। वह कहते हैं कि भारत में मवेशी की संख्या करोड़ों में हैं और गाय का गोबर बहतायत में।गाय के गोबर का सबसे बड़ा उपयोग हमारी

कृषि प्रणालियों में होता है। इसलिए प्रसिद्ध कवि घाघ, जो स्वयं किसान भी थे का अभिमत था कि 'गोबर राखी पाती सड़ै, फिर खेती में दाना पडै।' पर हमारा हतभाग्यकि भारत के कई हिस्सों में अब जंगल नहीं बचे, जिससे लोगों को ईंधन के लिए गाय के गोबर का इस्तेमाल करना पड़ता है। नतीजतन, हर साल लाखों टन गोबर खाना पकाने के ईंधन के रूप में जलाया जाता है। उन्हें लगता है कि भारत के लिए गाय का गोबरबिजली, कोयला या पेट्रोलियम से ज़्यादा अहम है। भारत की ऊर्जा नीति और इसका प्रबंधन ग़लत हैं। सबसे कम महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत अर्थात परमाणु ऊर्जा की देखभाल प्रधानमंत्री करते हैं। इसके बाद बिजली. कोयला और पेट्रोलियम आते हैं. जिसके लिए अलग मंत्रालय और मंत्री हैं । लेकिन सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत गोबर के लिए कोई मंत्रालय नहीं । वह पूरे जोश के साथ भारत में ऊर्जा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए एक गोबर मंत्रालय और गोबर मंत्री की आवश्यकता पर बल देते हुए कहते हैं कि जब बाक़ी मंत्रालय और मंत्री ही गोबर हैं तो गोबर मंत्रालय खोलने में सरकार को क्या आपित्त है। वह कहते हैं कि आप मुझसे सहमत हों या नहीं लेकिन गाय के गोबर का टीला भारतीय पर्यावरणवाद का सबसे उत्तम प्रतीक है। हो सकता है कि मेरे सिर में बहुत अधिक गोबर घुसगयाहो, पर मुझे इस सवाल का जवाब दें कि गाय का गोबर तो अत्यधिक उपयोगी है, लेकिन हमारे दिमाग़ों में घुसा गोबर क्यों काम नहीं आता और समस्त भारत में सडक़ से संसद तक गोबर ही गोबर क्यों बिखरा नजर

मौत के वीआईपी

मौत के बाद अचानक खुद को अखबार में छपा देखकर मैं हैरान हुआ। दरअसल देश में मौत की स्थिति में खबर ढूंढना भले ही मुश्किल समझी जाए, लेकिन मौत का चौंकाने वाला तथ्य जरूर समाचार बन जाता है। मैं मरा क्यों, इस पर संपादक की रुचि भी काबिले तारीफ रही। अक्सर मरने की खबरें जब अखबारों में तड़पती हैं, तो पाठक भी इन्हें पढ़कर रट लेते हैं। टीवी की बहस में भी न जाने कितनी खबरें मर रही होती हैं, फिर भी दर्शक और श्रोता को तो यही चाहिए। मैं मर–मर कर जीया, लेकिन मरा अखबारी शान से। घर वाले भी शोक सभा की मेरी खबर में मौत का जिक्र करते, फख करते कि उनके यहां कोई मरा तो चर्चित कर गया। दरअसल मैं मरना तो कतई नहीं चाहता था, लेकिन एक दिन अखबार में खबर पढते–पढते मर गया। खबर में देश था और देश में वो सब कुछ था, जिसके कारण मेरे हिस्से सिर्फ मौत आई। मेरी मौत से लोग समाचारपत्रों को पुन : गंभीरता से लेने लगे और कई तो मेरी तरह खबर के साथ मरने की तमन्ना करने लगे। मेरी मौत ने यमराज का हिसाब–किताब बिगाड़ दिया है। अखबार की खबरें, उसके आदेश से कहीं अधिक काम करने लगीं। मृत्यु लोक में अब स्वर्ग–नरक का फैसला केवल इस बात पर हो रहा है कि किसी के मरने पर क्या कोई खबर बनी या घर वालों ने अखबार में शोक संदेश छपवा दिया। अब यमदृत भी धरती पर केवल मौत की खबर या शोक समाचार पढऩे ही आते हैं, क्योंकि धरती पर जीने–मरने में अंतर घट रहा है। यमदूत जीवन लोक की खबरें पढ़ कर खुश है। वह निश्चित है कि धरती पर भूख से कहीं अधिक खामख्वाह खा–खा कर मर जाएँगे। काम मिले या न मिले, बहुत सारे बिना काम के ही मर जाएंगे। यमदूत ने जब से मेरे मरने की खबर अखबार में पढ़ी, वह मुझे मौत का वीआईपी समझते हुए कहने लगा, 'श्रीमन आपके लिए स्वर्ग का दरवाजा खोल दिया है।' मेरे न–नुकर करने पर भी नहीं माना और मुझे वहां धर्किया दिया। स्वर्ग दरअसल बदल गया है। वहां हर जिंदगी की गिनती हो रही है। यमदूत मुझे स्वर्ग के ऑडिटोरियम में ले गया। वहां धरती के शो चल रहे थे। मेरे पहुंचते ही, मेरा शो चल पड़ा। मैं पहली बार खुद को देख पा रहा था। अपनी हालत और देश के हालात को देख रहा था। स्वर्ग के शो में पूरा भारत और भारत के लोग दिखाई दे रहे थे। मुफ्त का अनाज खाते हुए लोग। कचरे से जिंदगी खोजते लोग। तभी मेरे सात बैठे दर्शक ने बताया, 'देखो वह रही गंगा जी में बहती मेरी लाश।' स्वर्ग से लाश को इस तरह देखना रोमांचित कर रहा था, क्योंकि मरने के बाद ही हम भारतीय संवेदना के योग्य हो जाते हैं। वर्षों से गंगा मैया देख रही है कि मृत्यु के बाद लोग किस तरह सगे—संबंधियों की याद में उसके करीब पहुंच जाते हैं। गंगा हमेशा की तरह लाशों को धो रही थी, अस्थि विसर्जन को कबूल कर रही थी। स्वर्ग लोक में शो जारी था कि इतने में शोर मच गया, 'गंगा मैया आई हैं।' मैंने पीछे मुडक़र देखा, वाकई उस ऑडिटोरियम में पवित्र नदी का प्रवेश हो रहा था। सब हैरान थे कि धरती से गंगा क्यों यहां आ गई। गंगा बताने लगी, 'जब से सरकारें मेरी सफाई कर रही हैं या गंगा प्रोजेक्ट के तहत निरंतर बजट खर्च कर रही हैं, मैं अब आश्रित रहने लगी हं। मेरी आरती उतारते नेता, मेरे पास आकर लटे–पिटे नजर आते हैं। मैं हर दिन इनसान की अस्थियों पर लड़ते–झगड़ते पंडितों को देखती हूं, तो सोचती हूं कि कहीं में लगातार चोट खाकर मर तो नहीं रही।' गंगा की व्यथा से स्वर्ग लोक में सन्नाटा सा छा गया। गंगा धीरे-धीरे वहाँ दर्शकों को अपने आगोश में डुबो रही थी। एक बार फिर मैं गंगा में डूब कर स्वर्ग लोक के इस नजारे को देख रहा था। यमदूत चीखा, 'देखो देखो गंगा में फिर बाढ़ आ गई और इसमें डूब रहे लोग सीधे स्वर्ग के योग्य हो गए।'

कर्मचारी चयन आयोग का निलंबन सही कदम

बेहतर होता यदि समय रहते इस पूरे स्टाफ को ही दूसरी जगह शिफ्ट किया होता और राजनीतिक संरक्षण देने के बजाय ऐसे लोगों को कटघरे में खड़ा किया होता तो देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश ऐसे गिरोहों की वजह से बदनाम न होता। ऐसे समाचार कदाचित उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे राज्यों से सुनने को मिलते थे परंतु ऐसे गिरोहों का हिमाचल जैसी देवभूमि और कर्मभूमि में प्रवेश करना न केवल चिंतनीय है बल्कि शुभ संकेत भी नहीं है। ऐसी वारदातें अथवा खरीद-फरोख्त के मामले भविष्य में न पैदा हों और शिक्षित बेरोजगार अपने आप को ठगा महसूस न करें, निःसंकोच भाव से कड़ी मेहनत और अदम्य साहस से सरकारी क्षेत्र में युवा-युवतियां अपना भाग्य अजमाएं, इसके लिए यदि भविष्य में कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर से लंबित भर्तियों की प्रक्रिया को बहाल किया जाता है तो

सरकार को चाहिए कि कठोर कानूनों के साथ ईमानदार स्टाफ की तैनाती की

जाए' कर्मचारी किसी भी देश अथवा राज्य के विकास की रीढ़ माने जाते हैं जो आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। दूसरी ओर सरकारी उपक्रमों पर नियंत्रण तथा उसकी सही निगरानी करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और जवाबदेही रहती है जिसे नकारा नहीं जा सकता। आज जिस प्रकार से कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की विश्वसनीयता पर प्रश्निचन्ह लगा है यह किसी भी जघन्य अपराध से कम नहीं है। यद्यपि इससे पहले भी कई मर्तबा वर्षों से शिक्षित बेरोजगारों ने इस प्रकार की कई भ्रांतियां और बहुत सारी पूर्व में हुई भर्तियों पर सवालिया और आशंकाएं जताई, बावजूद इसके कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। पैसे लेकर

जेओए आईटी भर्ती परीक्षा का पेपर लाखों की खरीद-फरोख्त के मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की कार्यप्रणाली को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने और विभिन्न भर्तियों की प्रक्रिया पर रोक लगाना वर्तमान सरकार का एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। एक ओर जहां आज का पढ़ा-लिखा नौजवान सरकारी नौकरी की तलाश में दिन-रात परीक्षा की तैयारी में लाइब्रेरी से, कोचिंग सेंटरों से, अपने माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपनी आर्थिकी को दांव पर लगाकर अपना सर्वस्व पढाई में न्योछावर कर देता है, वहीं दुसरी ओर ऐसे चोर दरवाजे से पैसे देकर बिना मेहनत के सरकारी नौकरी हासिल करने का प्रयास उन शिक्षित मेहनती बेरोजगारों के साथ सरासर अन्याय होता सामने दिखाई दे रहा है जिससे युवाओं में अविश्वास की

भावना पैदा होना स्वाभाविक है। माननीय मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सुक्खू जी द्वारा इस संगीन अपराध पर त्वरित कार्यवाही करना जिसमें उन सभी 79 विभिन्न पोस्टकोड के तहत की भर्तियां जिसमें लगभग 1647 पद भरे जाने थे पर आगामी आदेशों तक रोक लगाना, जांच बिठाना, एसआईटी गठित करना एक सराहनीय और ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है जिससे शिक्षित बेरोजगारों में पुनः विश्वास बहाली की ओर कदम

कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर की स्थापना 1998 में युवाओं की सहूलियत और एक दूरदर्शी सोच के साथ इस संस्थान को खोलने का निर्णय लिया था ताकि क्लास 3 और 4 के कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया यहां से सुचारु रुप से की जा सके परंतु जिस तरीके से इस संस्थान का पोस्टमार्टम हुआ है उसकी रिपोर्ट से सारा हिमाचल शर्मसार हुआ है। दीगर है कि पूर्व में पुलिस भर्ती पेपर लीक मामला सार्वजनिक हुआ था। वह भी युवाओं द्वारा तर्कपूर्ण विरोध करने के बाद मामला सामने आया था परंतु असली गुनाहगार तक पहुंच न बनने और सजा न मिलने के चलते उनके हौसलों को ज्यादा उड़ान मिली। नतीजा दूसरा पेपर खरीद मामला जेओए आईटी के रूप में फिर सार्वजनिक हुआ। इससे लाखों युवाओं की मेहनत पर न सिर्फ पानी फिरा है बल्कि चयन प्रक्रिया पर अविश्वास की भावना पैदा हुई है। बेहतर होता यदि समय रहते इस पूरे स्टाफ को ही दूसरी जगह शिफ्ट किया होता और राजनीतिक संरक्षण देने के बजाय ऐसे लोगों को कटघरे पर खड़ा किया होता तो यह देव भूमि के नाम से विख्यात हिमाचल प्रदेश ऐसे गिरोहों की वजह से बदनाम न होता। ऐसे समाचार कदापि उत्तर प्रदेश व बिहार जैसे राज्यों से सुनने को मिलते थे परंतु ऐसे गिरोहों का हिमाचल जैसी देव भूमि

और कर्म भूमि में प्रवेश करना न केवल चिंतनीय है बल्कि शुभ संकेत नहीं है। ऐसी वारदातें अथवा खरीद-फरोख्त के मामले भविष्य में न पैदा हों और शिक्षित बेरोजगार अपने आप को ठगा महसूस न करें, निःसंकोच भाव से कड़ी मेहनत और अदम्य साहस से सरकारी क्षेत्र में युवा युवतियां अपना भाग्य अजमाएं, इसके लिए यदि भविष्य में कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर से लंबित भर्तियों की प्रक्रिया को बहाल किया जाता है तो सरकार को चाहिए कि कठोर नियमों और सख्त कानुनों के साथ ईमानदार स्टाफ की तैनातीं की जाए। जो भी इस जघन्य अपराध की जांच में दोषी सामने आए तो उन्हें किसी भी हाल में बख्शा जाए बल्कि सख्त से सख्त सजा का प्रावधान किया जाए ताकि शिक्षित युवाओं में विश्वास बहाली के साथ पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ाए जा

ब्रीफ न्यूज



आईफोन की बल्क बिक्री पर फंसी एपल, जापान सरकार ने लगाया ८७० करोड़ रुपये का अतिरिक्त दैक्स

नर्ड दिल्ली। टोक्यो रीजनल टैक्सेशन

ब्यूरो का कहना है कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में 104.16 करोड़ डॉलर की बिक्री की है, जिसका टैक्स नहीं चुकाया गया है। टैक्सेशन ब्यूरो ने पिछले साल ही इसकी जांच शरू की थी। अमेरिकी स्मार्टफोन कंपनी एपल पर जापान में आईफोन की बल्क बिक्री को लेकर 10.5 करोड़ डॉलर (करीब 870 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त टैक्स लगाया गया है। एपल पर आरोप है कि कंपनी ने विदेशी पर्यटकों को आईफोन्स और अन्य डिवाइस की बल्क में ड्यूटी-फ्री बिक्री की है। बता दें कि इससे पहले आईफोन के साथ चार्जर ना देने पर ब्राजील सरकार ने एपल पर कार्रवाई कर सैकड़ों आईफोन सीज कर दिए थे। टोक्यो रीजनल टैक्सेशन ब्यूरो का कहना है कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में 104.16 करोड़ डॉलर की बिक्री की है, जिसका टैक्स नहीं चुकाया गया है। दरअसल, टैक्सेशन ब्यूरो ने पिछले साल ही इसकी जांच शुरू की थी। जांच में ब्यूरो को कई असामान्य लेन-देन मिले हैं, जिनमें टूरिस्ट द्वारा सैकड़ों डिवाइस खरीदे जाने की जानकारी भी सामने आई है। यानी कंपनी पर बिक्री की जानकारी छिपाने के लिए 10.5 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त टैक्स लगाया गया है। बता दें कि जापान में आईफोन अन्य देशों के मुकाबले काफी सस्ते हैं। जापान में विदेशी पर्यटकों (आने के छह महीने के अंदर) को सोवेनियर या डेली यूज के इस्तेमाल वाली वस्तुएं खरीदने और उन्हें अपने साथ विदेश ले जाने की अनुमति है, लाकन इसके लिए उन्हें टक्स चुकाना हात है। टैक्सेशन ब्यूरो ने संदेह जताया है कि

को प्रोडक्ट्स की बिक्री कर रहे हैं। ब्राजील में भी हुई थी कार्रवाई

कुछ वेंडर्स जापान के ड्यूटी-फ्री सिस्टम

का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और पर्यटकों

आईफोन के साथ बॉक्स में चार्जर ना देने के कारण एपल पर कई बार कार्रवाई हो चुकी है। हाल ही में ब्राजील की सरकार ने एपल के कई स्टोर पर iPhones को सीज किया था। इस कार्रवाई को Operation Discharge नाम दिया गया था। यह कार्रवाई एपल के सभी ऑथराइज स्टोर पर हुई थी। आपको याद दिला दें कि एपल ने iPhone 12 series के साथ चार्जर देना बंद कर दिया है और तमाम बवाल के बाद आईफोन 14 सीरीज को भी बिना चार्जर ही लॉन्च किया गया है।

उतार चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 17 अंक नीचे, निफ्टी भी कमजोर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार के दिन भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स और निफ्टी आखिर में सपाट ढंग से बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स 17 अंकों की गिरावट के साथ 60910 के लेवल पर और निफ्टी 9 अंकों की गिरावट के साथ 18122 के स्तर पर बंद हुआ। क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल के कारण ऑयल एंड गैस इंडेक्स में मजबुती दिखी।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में बुधवार का कारोबार बंद होते समय यह स्थिति

घरेलू शेयर बाजार में कंज्यूमर ड्यूरेबल, मीडिया और ऑटो इंडेक्स में भी मजबूती दिखी। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयरों में तेजी दिखी जबिक 16 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। बुधवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाइटन के शेयरों में 2.75 प्रतिशत की तेजी दिखी।

खजाने पर भारी लोक-लुभावन राजनीति! नई पेंशन योजना कई राज्यों में क्यों बनता जा रहा है बड़ा राजनीतिक मुद्दा?

एनटीवी न्युज

योजना आयोग के पूर्व प्रमुख मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने 6 जनवरी को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में वापस आने के कुछ राज्यों के फैसले का जवाब देते हुए कहा, ₹मैं निश्चित रूप से इस विचार को साझा करता हूं कि यह कदम बेतुका और वित्तीय दिवालियापन की ओर बढ़ाया गया कदम है।

आज बात कुछ पुरानी करेंगे जिसे सियासत ने फिर से नया कर दिया है। भारत की पुरानी पेंशन व्यवस्था 2004 में खत्म कर दी गई थी। लेकिन 2024 के लिए फिर से इसे जिंदा किया जा रहा है। वैसे तो ये मांग बहुत पुरानी है और विरोध बहुत पुराना है। लेकिन अब इसी मांग को विपक्ष अपनी जीत का आधार बना रहा है। योजना आयोग के पूर्व प्रमुख मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने 6 जनवरी को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में वापस आने के कुछ राज्यों के फैसले का जवाब देते हुए कहा, ₹मैं निश्चित रूप से इस विचार को साझा करता हूं कि यह कदम बेतुका और वित्तीय दिवालियापन की ओर बढ़ाया गया कदम है। अहलुवालिया भारत के योजना आयोग के उपाध्यक्ष थे जब 2004 में कांग्रेस की अगुआई वाली यूपीए सरकार ने एक नई पेंशन योजना लाई थी। दिलचस्प बात यह है कि ओपीएस में वापस जाने वाले दो



राज्यों छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के मुख्यमंत्री हैं। साथ ही, ऐसा करने वाला तीसरा राज्य झारखंड है, जहां सबसे पुरानी पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश, जहां दिसंबर में कांग्रेस को एक दुर्लभ चुनावी जीत मिली, वह भी ओपीएस को बदलने के लिए आगे बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश और कर्नाटक जैसे भाजपा शासित राज्यों में भी बहाली के लिए कोरस बढ़ ओपीएस कर्मचारी के अंतिम आहरित वेतन के 50 प्रतिशत की निर्धारित पेंशन का आश्वासन देता है। हालांकि, योजना कर के अधीन नहीं है। 1 अप्रैल, 2004 को OPS बंद कर दिया गया और इसे NPS से बदल दिया गया। 2004 से सरकारी कर्मचारी एनपीएस का पालन कर रहे हैं जो कराधान में योगदान देता है। नई योजना एक सेवानिवृत्ति पेंशन फंड प्रदान करती है जो रिडेम्प्शन पर 60 प्रतिशत कर-मुक्त है, शेष 40 प्रतिशत को 100 प्रतिशत कर योग्य वार्षिकियों में निवेश

कर्नाटक

कर्नाटक में अयानुर मंजूनाथ और एस वी संकनूर और मरिथिबेगौड़ा सहित तीन विधायकों ने हाल ही में सदन में हुई ओपीएस चर्चा पर अनुकूल परिणाम नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विधान परिषद से बहिर्गमन किया। चर्चा एक सवाल के जवाब में हुई जो कई सरकारी कर्मचारियों द्वारा बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में चल रहे विरोध के मद्देनजर आया था, जिन्होंने मांग की थी कि उन्हें ओपीएस द्वारा कवर किया जाए। विधायकों ने राज्य शासित भाजपा सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि एनपीएस पुराने के बराबर हो। उनके अनुसार, वर्तमान पेंशन कई सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के लिए पर्याप्त नहीं थी। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने ₹राज्य की वित्तीय स्थित₹ के आधार पर सरकारी कर्मचारियों की याचिका पर विचार किया

तमिलनाडु

कन्याकुमारी समाहरणालय के सामने आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान शिक्षक संगठन-सरकारी कर्मचारी संगठन (जेएसीटीओ-जीईओ) की संयुक्त कार्रवाई समिति ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री एमके स्टालन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने ओपीएस के पुनरुद्धार की उनकी मांग को पूरा करने से इनकार कर दिया तो आगामी चुनाव में शिक्षक और सरकारी कर्मचारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को ₹त्याग₹ देंगे। । उनके अनुसार सत्ता में आने के बाद स्टालिन तिमलनाडु में ओपीएस को पुनर्जीवित करने का अपना वादा भूल गए। डीएमके

सरकार के खिलाफ 1,000 से अधिक शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

केंद्र का स्टैंड

2004 में यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई योजना का विरोध करना कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के लिए दुर्लभ है। वहीं उसी योजना का एनडीए सरकार द्वारा समर्थन किया जाना भी अपने आप में अनूठा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि केंद्र को उन कर्मचारियों द्वारा जमा किए गए पैसे वापस करने हैं जो एनपीएस के तहत थे। संसदीय स्थायी समिति का नेतृत्व करते हुए भाजपा विधायक जयंत सिन्हा ने हाल ही में ओपीएस से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक ओपीएस में वापस जाना आर्थिक रूप से खतरनाक है। मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने रेखांकित करते हुए कहा कि इस कदम को आगे बढ़ाने वालों के लिए सबसे बड़ी बात ये है कि दिवालियापन 10 साल बाद आएगा। सरकारी थिंक टैंक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के प्रतिनिधि और व्यय सचिव जल्द ही केंद्र और राज्यों की पेंशन देनदारी के मद्दे पर संसदीय पैनल के साथ गोलमेज चर्चा करेंगे।भारतीय रिजर्व बैंक और पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण पैनल को भी संक्षिप्त जानकारी देंगे।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में 20 वर्षों में 20 गुना बढ़ा मुनाफा, बाजार पूंजीकरण में 42 गुना का इजाफा

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी केवल रिलायंस की कायापलट के ही नायक नही हैं, उनके नेतृत्व में यानी पिछले 20 वर्षों के दौरान निवेशकों पर भी खूब नोट बरसे।87 हजार करोड़ प्रति वर्ष की दर से निवेशकों की झोली में 17.4 लाख करोड़ रुपये आए।

मुकेश अंबानी 20 साल पहले रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बने थे। रिलायंस की कमान संभालते ही सफलता के झंडे गाड़ने का जो सिलसिला शुरु हुआ वह आज तक जारी है।आज धीरूभाई की 90वीं जयंती भी है। मुकेश अंबानी की अगुवाई में, पिछले दो दशकों में कंपनी ने राजस्व लाभ के साथ-साथ बाजार पूंजीकरण में लगातार दो अंकों की वृद्धि दर हासिल की है। इस दौरान कंपनी का बाजार पूंजीकरण 42 गुना बढ़ा तो लाभ में करीब 20 गुना की वृद्धि हुई है।

मुकेश अंबानी केवल रिलायंस की कायापलट के ही नायक नहीं हैं, उनके नेतृत्व में यानी पिछले 20 वर्षों के दौरान निवेशकों पर भी खूब नोट बरसे 187 हजार करोड़ प्रति वर्ष की दर से निवेशकों की झोली में 17.4 लाख करोड़ रुपये आए 1 इस बीच दुनिया भर की बड़ी से बड़ी कंपनियों का निवेश रिलायंस को मिला 1 फेसबुक, गूगल और बीपी जैसी भारी भरकम कंपनियों ने रिलायंस के दरवाजे पर लाइन लगा ली 1

देश की सबसे बड़ी कंपनी की सफलता की कहानी के कई महत्वपूर्ण अध्याय मुकेश अंबानी ने अपने हाथों से लिखे हैं। तेल से शुरु कर कंपनी ने दूरसंचार और रिटेल में कई मुकाम हासिल किए हैं। मुकेश अंबानी ने ही सबसे पहले डेटा को 'न्यू-ऑयल' कहा था। आज इंटरनेट डेटा आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बदलने में अहम योगदान दे रहा है।

अंबानी ने देश ही नहीं दुनिया की सबसे



दूरसंचार कंपनियों में से एक रिलायंस जियो को खड़ा किया। जिसने बहुत ही कम समय में सफलता के झंडे गाड़ दिए। जियो के आने के बाद देश ने डिजिटल वर्ल्ड में जो दौड़ लगाई उसे देख दुनिया ने दांतों तले अंगुली दबा ली। आज सबसे अधिक डिजिटल लेन देन का रिकॉर्ड भारत के नाम है। ठेले से लेकर 5स्टार होटल तक में डिजिटल पेमेंट की सुविधा है। इसके पीछे सरकार के प्रयास तो है ही किंतु रिलायंस जियो को भी इसका पूरा श्रेय जाता है। जिसने एक नई लकीर खींच दी। जो डेटा करीब 250रु प्रति जीबी मिलता था वो जियों के आने के बाद औंधे मुंह गिर कर 10 रु के आसपास पहुंच गया। डेटा खपत में भी देश ने लंबी छलांग लगाई, 2016 में 150 वें नंबर से सबको पछाड़ते हुए दुनिया में भारत ने पहला स्थान हासिल कर लिया है।

अंबानी ने देश ही नहीं दुनिया की सबसे बड़ी

बड़ी दूरसंचार कंपनियों में से एक रिलायंस जियो को खड़ा किया। जिसने बहुत ही कम समय में सफलता के झंडे गाड़ दिए। जियो के आने के बाद देश ने डिजिटल वर्ल्ड में जो दौड़ लगाई उसे देख दुनिया ने दांतों तले अंगुली दबा ली। आज सबसे अधिक डिजिटल लेन देन का रिकॉर्ड भारत के नाम है। ठेले से लेकर 5स्टार होटल तक में डिजिटल पेमेंट की सुविधा है। इसके पीछे सरकार के प्रयास तो है ही किंतु रिलायंस जियो को भी इसका पूरा श्रेय जाता है। जिसने एक नई लकीर खींच दी। जो डेटा करीब 250रु प्रति जीबी मिलता था वो जियों के आने के बाद औंधे मुंह गिर कर 10 रु के आसपास पहुंच गया। डेटा खपत में भी देश ने लंबी छलांग लगाई, 2016 में 150 वें नंबर से सबको पछाड़ते हुए दुनिया में भारत ने पहला स्थान हासिल कर लिया है।

रिटेल सेक्टर में भी रिलायंस दुनिया की दिग्गज कंपनियों को टक्कर दे रहा है। ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, रिटेल हो या थोक मुकेश अंबानी की लीडरशिप में सबमें रिलायंस ने अपनी पकड़ मजबूत की है। अमेजन, फ्लिपकार्ट, वॉलमार्ट जैसी कंपनियां रिलायंस को अपना प्रतिद्वंदी मानती हैं।रिलायंस रिटेल ने चकाचौंध कर

देने वाली स्पीड से स्टोर खोले। विश्वास नहीं होता किंतु पिछले साल एक दिन में करीब 7 स्टोर खोले का रिकॉर्ड बनाया है रिलायंस रिटेल ने। रेवेन्यू के मामले में भी वो देश की नंबर वन रिटेल कंपनी बन गई है। विजनरी मुकेश अंबानी भविष्य की रिलायंस बनाने की तैयारी में भी जुट गए हैं। 75 हजार करोड़ रु के निवेश से जामनगर में न्यू एनर्जी के लिए 5 गीगा फैक्टरी लगाने की योजना पर काम को रहा है।सोलर एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे नए एनर्जी सोर्स पर भी रिलायंस तेजी से काम कर रहा

इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी करेगी एमएसटीसी

एमएसटीसी, इस्पात मंत्रालय के तहत विभिन्न सामग्रियों और खनिजों तथा खदानों की ई-नीलामी करता है। गुप्ता ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा कि यह कोयला खदानों की नीलामी का छठा चरण होगा।



नयी दिल्ली। कोयला खदानों की इस महीने होने वाली नीलामी के छठे चरण में आडिशा, झारखंड, छत्तासगढ़ आर पश्चिम बंगाल समत कई राज्या म 132 कोयला खदानों की नीलामी की जाएगी। एमएसटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुरिंदर कुमार गुप्ता ने यह जानकारी दी। एमएसटीसी, इस्पात मंत्रालय के तहत विभिन्न सामग्रियों और खनिजों तथा खदानों की ई-नीलामी करता है। गप्ता ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा कि यह कोयला खदानों की नीलामी का छठा चरण होगा। छठें चरण के तहत कोयले की 132 और लिग्नाइट की नौ खदानों समेत कुल 141 खदानों की नीलामी की जाएगी। उन्होंने साफ किया कि एमएसटीसी केवल कोयला खदानों की सूची और कोयला मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई संबंधित अधिसूचनाओं के अनुसार ही नीलामी आयोजित करती है। इसके साथ ही उन्होंनेबोलीदाताओं को बोली से संबंधित सभी अधिसूचनाओं को पढ़ने का सुझाव भी दिया। गुप्ता ने कहा, एमएसटीसी कोयला मंत्रालय की किसी भी नीति-निर्माण प्रक्रिया में शामिल नहीं है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 27 फरवरी 2020 के आदेश को नीलामी पोर्टल पर डाल दिया गया है। सभी बोलीदाताओं को एनजीटी के आदेश सहित पोर्टल पर अपलोड की गई सभी अधिसूचनाओं की जांच करने का सुझाव दिया जाता है। गुप्ता ने कहा कि छठे चरण की नीलामी में 133 कोयला खदानें हैं। पांचवें चरण में बिक नहीं पाईं आठ खदानों को भी छठे चरण की नीलामी में शामिल किया गया है। इस चरण में नीलाम की जाने वी। खदानें ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तिमलनाडु और महाराष्ट्र में मौजूद हैं। इस चरण में नीलामी की जाने वाली कुल 141 खदानों में से 68 आंशिक रूप से उत्खनित हैं जबिक बाकी खदानें उत्खनित हैं। पांचवें चरण में कुल 109 खदानों की नीलामी की गई थी जिनमें से केवल आठ ही बिक पाई थीं। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पिछले महीने कहा था कि नीलामी के चौथे दौर में जिन 99 कोयला खदानों को शामिल किया गया था, उनमें से सिर्फ आठ ब्लॉकों की ही सफलतापूर्वक नीलामी हुई है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी

एसजीएक्स निफ्टी 115 .50 अंक की मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। वहीं निक्केई इंडेक्स भी 0 .23 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार की तरह ही मंगलवार को वैश्विक बाजार से भी अच्छे संकेत मिलते नजर आ रहे हैं। हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आज और कल होने वाली बैठक के कारण अमेरिकी बाजार दबाव में काम करता नजर आए। एशियाई बाजार आज सुबह से ही मजबूती का रुझान बनाए हुए हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। डाओ जोंस 129 अंक की गिरावट के साथ 32,732 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जबिक एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 29 अंक लुढ़ककर 3,871 अंक के स्तर पर पिछले कारोबारी सत्र में अपने कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में लिए जाने वाले कड़े फैसलों की आशंका के कारण 114 अंक फिसल कर 10,988 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व की बैठक आज शुरू होने वाली है, जो कल तक जारी रहेगी। आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका में महंगाई दर पर काबू पाने के लिए फेडरल रिजर्व एक बार फिर ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके पहले भी फेडरल रिजर्व लगातार तीन बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुका है। ब्याज दर बढ़ने की आशंका के कारण ही पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार लगातार दबाव की स्थिति में कारोबार करते नजर आए।

दूसरी ओर एशियाई शेयर बाजार आज कारोबार की शुरुआत से ही लगातार मजबूती का रुख बनाए हुए हैं। एसजीएक्स निफ्टी 115.50 अंक की मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। वहीं निक्केई इंडेक्स भी 0.23 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है। फिलहाल निक्केई इंडेक्स 27,666.34 अंक के स्तर पर पहुंचकर कारोबार करता दिख रहा है।स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स में भी आज 1.29 प्रतिशत की तेजी बनी हुई है।

इसी तरह ताइवान का बाजार 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ 13,046.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। इसके अलावा हेंगसेंग इंडेक्स 2.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ 15,104.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि कोस्पी इंडेक्स भी दिन के कारोबार में 1.56 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है। एशियाई बाजारों में आई तेजी का फायदा आज शंघाई कंपोजिट इंडेक्स को भी मिलता नजर आ रहा है।फिलहाल ये इंडक्स 1.18 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,227.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है।



डीटीसी बस का अचानक हुआ ब्रेक फेल झुग्गियों में सो रहे लोगों पर चढ़ी, खौफनाक मंजर का वीडियो वायरल

एनटीवी न्य

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक बस के ब्रेक फेल होने और मंगलवार को सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन के पास एक झुगी में गिर जाने से एक महिला सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ब्रेक फेल होने के कारण क्लस्टर बस नियंत्रण से बाहर हो गई।

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग में तेज रफ्तार बस का कोहराम देखने को मिला है। डीटीसी बस के ब्रेक फेल होने के कारण बस झुग्गियों में जा घुसी। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बस में तोड़फोड़ की। दिल्ली में रोहतक रोड पर सराय रोहिला रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को एक बड़ा हादसा होने की खबर सामने आई है। इस बीच, डीटीसी बस का ब्रेक फेल होने से हुए हादसे में तीन महिलाएं और एक बच्चा घायल हो गया। घायलों को इलाज के लिए जीवन माला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां बच्चे की हालत गंभीर बताई जा



रही है। सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। गनीमत यह रही कि इस हादसे (Delhi DTC Bus Accident) में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घटना सुबह करीब नौ बजे की है जब

डीटीसी बस (दिल्ली डीटीसी बस दुर्घटना) संख्या 925 यात्रियों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया, जिससे हादसा हो गया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बस को हटाने का प्रयास किया। हादसे में बस का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही क्रेन मौके पर पहुंची, जिसकी मदद से बस को बाहर निकाला गया। इसका एक वीडियो जारी किया गया जो 'अभिषेक तिवारी' नाम के ट्विटर हैंडल से लिया गया है। डीटीसी बस के ब्रेक फेल होने की वजह से बस झुग्गियों में जा गिरी (Delhi DTC Bus Accident)। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बस में तोड़फोड़ की। लोगों ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि डीटीसी की बसें काफी तेज दौड़ती हैं। बताया जा रहा है कि इन झुग्गियों में रहने वाले लोग लोहार हैं। फिलहाल दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग के अलावा ट्रैफिक पुलिस और सिविल डिफेंस के जवान भी घटनास्थल पर मौजूद हैं, जहां राहत और बचाव का काम जारी है।



बेंगलुरु में मेद्रो का निर्माणाधीन खंभा गिरने से मां- बेटे की मौत

एनटीवी न्यू

एचबीआर लेआउट के पास आउटर रिंग रोड पर 'नम्मा मेट्रो' (बेंगलुरु मेट्रो) का एक निर्माणाधीन खंभा गिरने से एक महिला और उसके ढाई साल के बेटे की मौत हो गई।

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एचबीआर लेआउट के पास आउटर रिंग रोड पर 'नम्मा मेट्रो' (बेंगलुरु मेट्रो) का एक निर्माणाधीन खंभा गिरने से एक महिला और उसके ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना पूर्वाहन करीब 11 बजे की है, जब खंभे के निर्माण के लिए लगाए गए टीएमटी सिरये उनके स्कूटर पर गिर गए। खंभे की ऊंचाई 40 फीट से ज्यादा और वजन कई टन बताया जा रहा है। मौके पर मौजूद लोग तुरंत मां और बेटे को नजदीकी अस्पताल ले गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल के

डनसाडड

अपीलों पर १४ फरवरी से न्यायालय में होगी सुनवाई

पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 2016 में नबाम रेबिया मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि यदि विधानसभा अध्यक्ष को हटाने के लिये पहले दिये गए नोटिस पर सदन में निर्णय लंबित है, तो विधानसभा अध्यक्ष विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर आगे की कार्यवाही नहीं कर सकते।

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन से उत्पन्न राजनीतिक संकट से संबंधित याचिकाओं पर 14 फरवरी को सुनवाई शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ से उद्धव ठाकरे शिवसेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट संबंधी मामलों को सात सदस्यीय पीठ के पास भेजे जाने का अनुरोध करेंगे, ताकि वह अयोग्यता संबंधी याचिकाओं के निपटारे के लिए विधानसभा अध्यक्षों की शक्तियों से जुड़े 2016 के फैसले पर फिर से विचार करे। सिब्बल ने पीठ से कहा ''हमने सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष, मामलों के संदर्भ में ब्यौरे दाखिल किए हैं। उन्होंने (शिवसेना के, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े ने) जवाब दाखिल किया है।'' पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा ''हम इसे सुनवाई के लिए 14 फरवरी को रखेंगे।'' सात न्यायाधीशों की पीठ को मामले का संदर्भ दिए जाने की मांग कर रहे सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व में दिए गए एक फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 2016 में नबाम रेबिया मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि यदि विधानसभा अध्यक्ष को हटाने के लिये पहले दिये गए नोटिस पर सदन में निर्णय लंबित है, तो विधानसभा अध्यक्ष विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर आगे की कार्यवाही नहीं कर सकते। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के बागी विधायकों के लिए यह निर्णय विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि सीताराम जिरवाल को हटाने संबंधी नोटिस लंबित होने के आधार पर शीर्ष अदालत में लाभकारी साबित

'RSS पर भी भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव', दिग्विजय सिंह बोले-क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मस्जिद जाएंगे?

एनटीवी संवाददाता

दिग्विजय सिंह ने कहा कि यानी उन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, फिर वे चुनाव क्यों लड़ते हैं, शपथ क्यों लेते हैं? ये दोमुंहे बयान अच्छे नहीं लगते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्पष्ट करें कि क्या वे भारत के संविधान पर भरोसा करते हैं और नहीं तो आगे आएं।

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। फिलहाल यह यात्रा पंजाब में है। इन सबके बीच भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस के विरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे दिग्वजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिग्वजय सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी पड़ा है। अपने बयान में दिग्वजय ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव न केवल हमारे सहयोगियों पर बल्कि आरएसएस पर भी है। क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मिस्जद जाएंगे? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) भी ऐसा करने लगे हैं, वे 'हिंदू राष्ट्र' की बात करते हैं लेकिन संविधान में इसका उल्लेख नहीं है।

इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने कहा कि यानी उन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, फिर वे चुनाव क्यों लड़ते हैं, शपथ क्यों लेते हैं? ये दोमुंहे बयान अच्छे नहीं लगते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्पष्ट करें कि क्या वे भारत के संविधान पर भरोसा करते हैं और नहीं



तो आगे आएं। आपको बता दें कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग पर स्थित मंदिर में पहुंचे थे। यहां उन्होंने ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इल्यिसी से मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी और दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल नजीब जंग सहित कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी मुलाकात की थी। इसी को लेकर दिग्विजय सिंह ने यह बयान

ादया ह। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर पहुंचे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा का 116वां दिन हरियाणा के अम्बाला में पुरा हुआ। बुधवार को सुबह पंजाब में यह यात्रा आरंभ होगी। अमृतसर में पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद यात्रा आरंभ करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यात्रा गत बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश से पानीपत के रास्ते हरियाणा में दाखिल हुई थी। यह पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र से होकर अंबाला तक पहुंची। गत 21 से 23 दिसंबर के बीच भी यह यात्रा हरियाणा के मेवात, फ़रीदाबाद और कुछ अन्य इलाकों से गुजरी थी।

फिदायीन हमले को देने अंजाम नेपाल के रास्ते UP में ले सकते हैं एंद्री, आतंकी संगठन के निशाने पर राम मंदिर

आसपास जाम लग गया था।

राम मंदिर की सुरक्षा पर एक बड़ी खबर सामने आई है। सीएनएन की खबर के अनुसार पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठन राम मंदिर को निशाना बना सकते हैं। फिदायीन हमले तक की प्लानिंग चल रही है। आतंकी नेपाल के रास्ते उत्तर प्रदेश में घुसने की कोशिश कर सकते हैं। देश के गृह मंत्री अमित शाह की ओर से हाल ही में प्रभु राम के भव्य और दिव्य मंदिर के शुभारंभ की तारीख बताई गई। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर अगले साल 1 जनवरी को खुलेगा। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमान है कि एक बार खुलने के बाद मंदिर में प्रतिदिन 1 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन को आ सकते हैं। लेकिन राम मंदिर की सुरक्षा पर एक बड़ी खबर सामने आई है। सीएनएन की खबर के अनुसार पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठन राम मंदिर को निशाना बना सकते हैं। फिदायीन हमले तक की प्लानिंग चल रही है। आतंकी नेपाल के रास्ते उत्तर प्रदेश में घसने की कोशि कर सकते हैं। साध संत से लेकर लोकल ऑथरिटी भी इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं। हालांकि सुरक्षा के यहां पर पुख्ता इंतजाम हैं। जो सुरक्षा राम जन्मभूमि स्थल की पहले से थी उससे और अधिक सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा को लेकर हर तीसरे महीने बैठक भी होती है। बैठक में सरक्षा के मद्देनजर मंथन के बाद इसे और अपग्रेड किया जाता है। इनपुट सामने आए हैं कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की नजर हमेशा से अयोध्या पर रही है। जुलाई 2005 इसका गवाह है जहां पर फिदायीन हमले हो चुके हैं। ऐसे में एक और फिदायीन हमले की आशंका जताई जा रही है।

कश्मीर में कला और संस्कृति को और बढ़ावा देने की माँग कर रहे हैं संस्कृति विशेषज्ञ



एनटीवी संवाददाता

संवाददाता ने जब संस्कृति विशेषज्ञ और रंगमंच निर्देशक मुश्ताक अली से बातचीत की तो उन्होंने कहा, रकश्मीरी संस्कृति, कला और भाषा को बचाने के लिए सरकार को कलाकारों और लेखकों का समर्थन करने की आवश्यकता है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त किये जाने के बाद से केंद्र शासित प्रदेश के माहौल में बड़ा सुधार आया है और अब यहां स्थानीय कला और संस्कृति को भी बढावा दिया जा रहा है। कश्मीर में सिर्फ

मल्टीप्लेक्स ही नहीं खुले हैं बल्कि थियेटरों की भी पुरानी रौनक लौट आई है। कश्मीरी गीत-संगीत, हस्तकला, लेखन आदि को बढ़ावा देने के लिए तमाम तरह के आयोजन भी लगातार किये जा रहे हैं। प्रभासाक्षी संवाददाता ने जब कश्मीरी कला और संस्कृति के संरक्षण और प्रचार प्रसार के लिए किये जा रहे उपायों को लेकर संस्कृति विशेषज्ञ और रंगमंच निर्देशक मुश्ताक अली से बातचीत की तो उन्होंने कहा, ₹कश्मीरी संस्कृति, कला और भाषा को बचाने के लिए सरकार को कलाकारों और लेखकों का समर्थन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कश्मीरी कलाकार अच्छी स्थिति में नहीं हैं, तो वे समाज में योगदान नहीं कर पाएंगे, इसलिए उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत किया जाना

चाहिए। मुश्ताक अली ने कहा कि कलाकारों से अनुरोध है वे ज्यादा से ज्यादा सांस्कृतिक और रंगमंच के कार्यक्रमों में भाग लें तािक एक अलग प्रकार का माहौल बने। उन्होंने कहा कि सरकार और जनता को भी चाहिए कि वह कश्मीरी कलाकारों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि कला से जुड़े कार्यक्रमों के लिए बजटीय आवंटन ज्यादा से ज्यादा करे जिससे कलाकारों को मदद मिले।

इसके साथ ही कलाकार और रंगमंच निर्देशक गुल जान अहमद ने कहा कि मैं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से आग्रह करता हूँ कि संस्कृति नीति की समीक्षा कर इसे बढ़ावा दें ताकि हमारे युवा सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें।

19 जनवरी को मुंबई का दौरा करेंगे PM मोदी, ये है बड़ी वजह !

मुंबई मेट्रो की 2ए और 7 लाइनों के 35 किलोमीटर के हिस्से को भी उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में चालू किए जाने की संभावना है। हालांकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 15 से 19 जनवरी के बीच विश्व आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए दावोस जाने वाले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को मुंबई दौरे पर रहने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक सेंट्रल पार्क और बेलापुर स्टेशनों के बीच नवी मुंबई मेट्रो के 5.96 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को मुंबई का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई मेट्रो की 2ए और 7 लाइनों के 35 किलोमीटर के हिस्से को भी उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में चालू किए जाने की संभावना है। हालांकि, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 15 से 19 जनवरी के बीच विश्व आर्थिक मंच में भाग लेने के लिए दावोस जाने वाले हैं।

चर्चा है कि वे मेट्रो उद्घाटन कार्यक्रम के लिए जल्दी वापस आ सकते हैं या यात्रा करने की अपनी योजना बदल सकते हैं। दावोस, जिससे महाराष्ट्र के



लिए निवेश के अवसर आने की उम्मीद है। इस बीच, एलिवेटेड मुंबई मेट्रो 2A और 7 लाइनों का निर्माण करने वाली मुंबई मेट्रोगॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीएके अनुसार इन लाइनों के उद्घाटन के बारे में सरकार से तारीखों की पुष्टि प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रही है। ये दोनों मेट्रो लाइनें लिंक रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (WEH) से होकर गुजरती हैं और इनसे इन प्रमुख सड़कों से यातायात कम होने के साथ-साथ मौजूदा उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाओं में भीड़ को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

अप्रैल 2022 में तत्कालीन महाराष्ट्र

SA MA SALL के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई के पश्चिमी उपनगर में धनुकरवाड़ी (कामरान नगर) से आरे कॉलोनी तक 20 किलोमीटर की दूरी पर 2ए और 7 लाइनों के पहले चरण को हरी झंडी दिखाई। औसतन, यह खंड प्रतिदिन 25,000 यात्रियों को आकर्षित कर रहा है। महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (MMMOCL) के अधिकारियों के अनुसार 30 स्टेशनों और 35 किलोमीटर के एलिवेटेड कॉरिडोर के साथ इन दो लाइनों के पूरे खंड के चालू हो जाने के बाद, यह प्रतिदिन लगभग 3 लाख यात्रियों को ले जा सकता है। मेट्रो रेल का संचालन और